दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 16 | अंक 354 | सीकर, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

पीएम बोले-डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे

नई दिल्ली।

दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया।

पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर न्यूट्रिशन लेबल होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी ऑथेंटिसिटी लेबल होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को इंटेलिजेंस युग में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है।

समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें

1. एआई में भय नहीं भाग्य और भविष्य: पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने भाग्य और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

2. एमएएनएवी (मानव) विजन का प्रस्ताव: मोदी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई Moral (नैतिक), Accountable (जवाबदेह), National Sovereignty (संप्रभुता), Accessible (सुलभ) और Valid (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।

3. कंटेंट पर ऑथेंटिसिटी लेबल की जरूरत: पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर न्यूट्रिशन लेबल होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है।

4. एआई को ओपन सोर्स बनाएं: भारत ने दुनिया की कॉन्फिडेंशियल सोच से अलग हटकर एआई कोड को ओपन शेयर करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे।

5. ह्यूमन-सेंट्रिक अप्रोच और नौकरियां: पीएम ने कहा कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि नए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि हम ऐसे युग में हैं जहां इंसान और मशीन मिलकर क्रिएट करेंगे। उन्होंने स्किलिंग और रिस्किलिंग को एक मास मूवमेंट बनाने पर जोर दिया।

अंबानी बोले- डेटा की तरह सस्ता होगा एआई

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि जिस तरह जियो ने देश में डेटा सस्ता किया, उसी तरह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी आम भारतीय तक किफायती दरों पर पहुंचाया जाएगा। इस दिशा में जियो और रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे। एआई से पैदा होने वाली चिंताओं पर अंबानी ने कहा कि एआई वह मंत्र है जो हर यंत्र को तेज, बेहतर और स्मार्ट तरीके से काम करने की शक्ति देता है। मैं एआई को आधुनिक अक्षय पात्र के रूप में देखता हूं, जो अंतहीन पोषण प्रदान कर सकता है। एआई नौकरियां नहीं छीनेंगा बल्कि, यह हाई-स्किल काम के नए मौके पैदा करेगा।

देश का पहला नेक्स्ट जनरेशन डेटा सेंटर बनाएगा टाटा ग्रुप

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा ग्रुप अगली पीढ़ी की एआई ट्रेनिंग और इंफ्रेस के लिए खास तौर पर तैयार भारत का पहला लार्ज-स्केल एआई-ऑप्टिमाइड डेटा सेंटर बना रहा है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने इसकी पहली 100 मेगावाट क्षमता बनाने के लिए ओपन एआई के साथ साझेदारी की है, जिसे आगे चलकर एक गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा।

ब्लैक बॉक्स नहीं, ग्लास बॉक्स अप्रोच की मांग

एआई प्लेटफॉर्म्स को ब्लैक बॉक्स (जहां अंदर क्या चल रहा है किसी को पता न हो) के बजाय ग्लास बॉक्स की तरह होना चाहिए। इसका मतलब है कि एआई के सेफ्टी रूल्स इतने साफ और पारदर्शी हों कि उन्हें कोई भी देख और वेरीफाई कर सके, जिससे कंपनियों की जवाबदेही तय हो सके।

डेटा के लिए ग्लोबल ट्रस्टेड फ्रेमवर्क

एआई की ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले डेटा पर पीएम ने गार्बेज इन, गार्बेज आउट का सिद्धांत समझाया। उन्होंने कहा कि अगर डेटा सुरक्षित और भरोसेमंद नहीं होगा, तो एआई का आउटपुट भी खतरनाक हो सकता है। इसलिए उन्होंने डेटा संप्रभुता का सम्मान करने और एक वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय डेटा फ्रेमवर्क बनाने का सुझाव दिया।

पेपर क्लिप प्रॉब्लम और इंसानी नियंत्रण

एक तकनीकी उदाहरण के जरिए चेतावनी दी कि एआई को बिना मानवीय मूल्यों के नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने पेपर क्लिप प्रॉब्लम का जिक्र करते हुए बताया कि अगर किसी मशीन को सिर्फ एक छोटा सा लक्ष्य दे दिया जाए, तो वह उसे पूरा करने के लिए दुनिया के सारे संसाधन दांव पर लगा सकती है। इसलिए टेक्नोलॉजी की दिशा हमेशा इंसान ही तय करेगा।

भारत का एआई मिशन: 6 महीने में 24,000 नए जीपीयूएस

भारत एआई के क्षेत्र में अपनी ताकत तेजी से बढ़ा रहा है। पीएम ने बताया कि देश में अभी 38,000 जीपीयूएस मौजूद हैं और अगले 6 महीनों में 24,000 और जीपीयूएस जोड़े जाएंगे।

एआई पावर नहीं, सेवा का माध्यम है

भारत के लिए टेक्नोलॉजी सत्ता हथियाने का हथियार नहीं, बल्कि सेवा का जरिया है। उन्होंने यूपीआई और कोविन का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे इन प्लेटफॉर्म्स ने डिजिटल डिवाइड को खत्म किया, वैसे ही एआई को भी ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के लिए सुलभ होना चाहिए। एआई का मकसद सिर्फ मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि मानवता का कल्याण होना चाहिए।

एआई का सही उपयोग मानवता के लिए अवसर बनेगा : पीएम मोदी

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान नेताओं के प्लेनरी सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में आयोजित यह समिट मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि मानवता ने हर बड़े बदलाव को अवसर में बदला है और अब एआई के रूप में दुनिया के सामने ऐसा ही एक अवसर मौजूद है।

मानवता के लिए अवसर के रूप में एआई

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की धरती है और सही समझ से ही सही निर्णय संभव होते हैं। उन्होंने जोर दिया कि एआई का वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब सही समय पर सही नियत के साथ सही फैसले लिए जाएंगे।

कोविड काल में तकनीक की भूमिका का उल्लेख

उन्होंने कहा कि कोविड वैश्विक महामारी के दौरान दुनिया ने देखा कि सहयोग से असंभव भी संभव हो सकता है। वैक्सीन विकास से लेकर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और डाटा साझाकरण तक, तकनीक ने मानवता की सेवा की। भारत के डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफॉर्म और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने संकट के समय करोड़ों लोगों की मदद की और डिजिटल डिवाइड को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समावेशी एआई और ग्लोबल साउथ पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई तकनीक सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई गवर्नेंस के केंद्र में ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को स्थान दिया जाना आवश्यक है, ताकि

तकनीकी प्रगति वैश्विक समानता को बढ़ावा दे।

एथिकल एआई के लिए तीन सुझाव

प्रधानमंत्री ने एआई के नैतिक उपयोग के लिए तीन प्रमुख सुझाव दिए। पहला, डाटा सोवरेनिटी का सम्मान करते हुए भरोसेमंद वैश्विक डाटा फ्रेमवर्क विकसित किया जाए। दूसरा, एआई प्लेटफॉर्म अपने सुरक्षा नियम पारदर्शी रखें और 'ब्लैक बॉक्स' की जगह 'ग्लास बॉक्स' दृष्टिकोण अपनाएं। तीसरा, एआई को स्पष्ट मानवीय मूल्यों और दिशा-निर्देशों से संचालित किया जाए, ताकि तकनीक मानव नियंत्रण में रहे।

भारत की एआई क्षमता और बुनियादी ढांचा

उन्होंने कहा कि भारत एआई की वैश्विक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत के एआई मिशन के तहत देश में 38,000 जीपीयूएस स्थापित किए जा चुके हैं और अगले छह महीनों में 24,000 और जोड़े जाएंगे। साथ ही स्टार्टअप्स को किफायती दरों पर विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग पावर उपलब्ध कराई जा रही है। राष्ट्रीय संसाधन के रूप में हजारों डाटा सेट्स और सैकड़ों एआई मॉडल भी साझा किए गए हैं।

मानव मूल्यों के साथ तकनीकी विकास की अपील

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई मानवता की भलाई के लिए साझा संसाधन है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से ऐसा एआई भविष्य बनाने का आह्वान किया, जो नवाचार को बढ़ावा दे, समावेशन को मजबूत करे और मानव मूल्यों पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि जब तकनीक और मानव विश्वास साथ-साथ आगे बढ़ेंगे, तब एआई का वास्तविक प्रभाव दुनिया के सामने आएगा।

गहलोत सरकार ने गोहत्यारों को 50 लाख दिए : बालकनाथ

कांग्रेस विधायक ने कहा- आपको गांधी से दिक्कत तो नोटों से तस्वीर हटा दीजिए

जयपुर।

विधानसभा में उद्योग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक महंत बालकनाथ के आरोपों पर सदन में नोकझोंक हो गई। बालकनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा- आपकी सरकार ने तो 50 लाख रुपए गोहत्यारों को दिए थे। गहलोतजी की सरकार थी। आपको याद है क्या? आपके गहलोतजी ने जो उदयपुर के अंदर हिंदू भाई की हत्या हुई थी, उसके आरोपियों को बचाने का काम किया। आपकी सरकार के अंदर क्या हुआ था?

अनुदान मांगों पर बहस के दौरान एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के चाइनीज रोबोट को खुद का बताने से जुड़े विवाद का मामला गूंजा। कांग्रेस विधायक घनश्याम मेहर ने बहस में कहा- दिल्ली में हो रही एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने नकली रोबोट पेश करके देश की प्रतिष्ठा गिराई। पूरी दुनिया में

इसकी चर्चा हो रही है कि यह हो क्या रहा है, यह गलत है।

मेहर ने कहा- आपको गांधी जी से इतनी तकलीफ है तो नोट से उनकी तस्वीर हटा दीजिए। नरेगा से उनका नाम हटाने से क्या होगा। मेहर ने आगे कहा- हमारा युवा नशे में बर्बाद हो रहा है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। इस बात पर भी सोचना चाहिए।

उद्योग, युवा और खेल की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक अशोक चांदना ने ऑनलाइन सट्टे को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। चांदना ने कहा- राजस्थान के युवाओं के सामने आज बेरोजगारी, नशे और ऑनलाइन सट्टे की चुनौती है।

उन्होंने कहा- केंद्र सरकार तीन-चार महीने पहले ऑनलाइन सट्टा बंद करने का बिल लाई,ऑनलाइन सट्टा चालू किसने किया? इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए ऑनलाइन सट्टा गेमिंग कंपनियों ने भाजपा को करोड़ों रुपए का चंदा दिया, जो युवाओं का खून चूस रही है। भारत सरकार ने ऑनलाइन सट्टे पर बैन लगाया, लेकिन यह आज भी चल रहा है।

चांदना ने कहा- छोटे-छोटे गांव में नशा पहुंच गया है। रोज एक्सीडेंट हो रहे हैं। इससे एक नई प्रवृत्ति और पनप गई है। ऑनलाइन सट्टे में युवा पैसा हार जाते हैं, उसके बाद में साथ नशा करने लग जाते हैं, उसके बाद एक नया तंत्र चालू हो जाता है। युवा सट्टे में हारे पैसे चुकाने के लिए 10-20 रुपए सैकड़ा पर पैसा उधार लेने लग जाते हैं।

नशे और ऑनलाइन सट्टे की प्रवृत्ति वाले बच्चों पर पैसा चुकाने का दबाव रहता है। इससे मर्डर तक हो रहे हैं। इस तरह की शिकायतों का अभियान चलाएं, कौन ज्यादा ब्याज लेकर शोषण कर रहा है। युवा सुसाइड कर रहा है, मर्डर भी हो रहे हैं।

कोबरी-सार

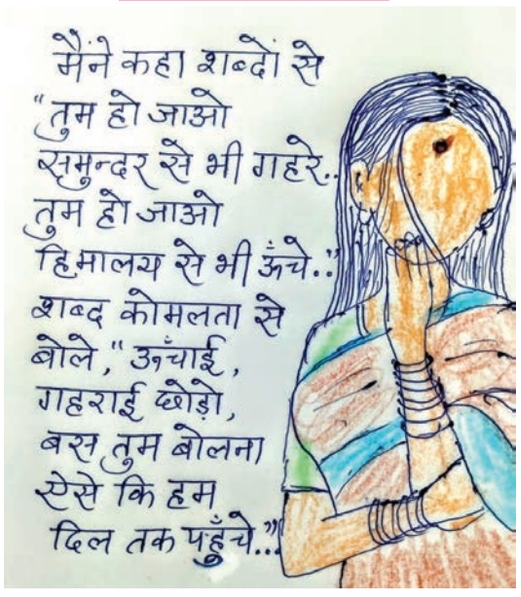

विराट हिंदू सम्मेलन 22 को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आशादीप किंग्स कोर्ट सोसाइटी जीरोता जगतपुरा जयपुर तथा आशादीप रेनबो सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 22 फरवरी रविवार को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन के भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी के चलते सोसायटी परिसर में सकल हिंदू समाज द्वारा कार्यक्रम के भव्य पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। इस पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाओं ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया। आयोजकों ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में धार्मिक चेतना जागृत करना, सांस्कृतिक गौरव को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 8:30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इसके पश्चात विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। सकल हिंदू समाज ने जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

14वीं राज्य चैंपियनशिप : सैनी ने जीते दो स्वर्ण पदक

निसं

जयपुर (नवयत्न)। 14वीं राजस्थान राज्य चैंपियनशिप का आयोजन उदयपुर में हुआ। जिसमें प्रदेशभर से करीब 250 से 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं इस प्रतियोगिता में जयपुर की सरिता सैनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। सरिता ने 84 किलोग्राम सीनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, वहीं 84 किलोग्राम मास्टर वर्ग में भी स्वर्ण पदक हासिल कर डबल गोल्ड अपने नाम किया। उन्होंने कुल 310 किलोग्राम वजन उठाकर यह उपलब्धि हासिल की। उनके इस प्रभावशाली प्रदर्शन की प्रतियोगिता में मौजूद खेल विशेषज्ञों और दर्शकों ने सराहना की। अपनी सफलता का श्रेय सरिता ने अपने पति हंसराज सैनी को दिया। जो हटोज क्षेत्र में कांग्रेस मंडल अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि पति का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही उन्होंने अपने कोच अजय धमेजा का भी आभार जताया। जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण के दौरान उनका मनोबल बनाए रखा और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। सरिता की इस उपलब्धि से जयपुर के खेल जगत में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उम्मीद जताई है कि वे आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी।

गोविंद धाम में संत-महंतों के सान्निध्य में होगा होलिका दहन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री गोविंद धाम में होली महोत्सव के तहत भव्य होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 2 मार्च 2026 रविवार को मध्य रात्रि 1:26 बजे मंदिर परिसर में संपन्न होगा। कार्यक्रम में संत-महंतों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा। धर्म प्रचारक विजय शंकर पाण्डेय ने बताया कि आयोजन समिति के अनुसार यह धार्मिक कार्यक्रम संस्कृति और सनातन परम्पराओं के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मंदिर श्री गोविंद देव जी में श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विशेष पूजा-अर्चना के बाद होलिका दहन होगा। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इस कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे। श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर के साक्षी बनेंगे। समिति की ओर से समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं को सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया गया है। यह आयोजन आर्ष संस्कृति दिग्दर्शक ट्रस्ट के सानिध्य में किया जा रहा है। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है और समाज में सद्भाव, आस्था एवं संस्कारों को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

फिल्म राजा शिवाजी का पहला पोस्टर शिवाजी जयंती पर हुआ जारी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के पावन अवसर पर जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने अपनी बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी का पहला दमदार पोस्टर जारी किया है। फिल्म के निर्देशक और मुख्य अभिनेता रितेश विलासराव देशमुख ने सोशल मीडिया पर यह पोस्टर साझा किया। जिसमें वह छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में महाराज का प्रभावशाली साइड प्रोफाइल दिखाई देता है। हाथ में तलवार, मजबूत कंधे और अडिग नजरें। उनका गंभीर और दृढ़ चेहरा उस तूफान से पहले की शांति को दर्शाता है। जो स्वराज्य की स्थापना और राष्ट्र के गौरव की शुरुआत बना। राजा शिवाजी एक भव्य पैन-इंडिया सिनेमाई प्रस्तुति है।

जिसे वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति के गौरव के रूप में पेश किया जा रहा है। यह एक महत्वाकांक्षी द्विभाषी मराठी और हिंदीद्ध एक्शन-ड्रामा फिल्म है। जिसमें संगीत दिया है प्रसिद्ध जोड़ी अजय-अतुल ने और सिनेमैटोग्राफी संभाली है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित संतोष सिवन ने। यह फिल्म अपने विशाल पैमाने और शानदार-श्यात्मक अनुभव के लिए तैयार है।

यह फिल्म न केवल एक राजा की कहानी है, बल्कि एक ऐसे बेटे की यात्रा है जिसने एक संकल्प लिया और बड़ी शक्तियों के खिलाफ खड़े होकर स्वराज्य का मार्ग प्रशस्त किया। यह उस महान योद्धा की गाथा है जिसने झुकने के बजाय संघर्ष चुना और भारत के स्वाभिमान की नींव रखी। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और ज्योति देशपांडे तथा जिनिलीया देशमुख द्वारा निर्मित मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले बनी राजा शिवाजी 1 मई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

दहशत का मेल : राजस्थान हाईकोर्ट में फिर बम की सूचना से मचा हड़कंप

निसं

जयपुर (नवयत्न)। अशोक नगर थाना इलाके में स्थित राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर परिसर में एक बार फिर बम होने की सूचना से सनसनी फैल गई है। वहीं सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक्शन लिया और हाईकोर्ट के सत्यमेव जयते भवन को पूरी तरह खाली कराकर सर्च अभियान चलाया। वहीं इस सूचना के बाद से ही पूरे कैंपस में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। कोर्ट में सर्च ऑपरेशन में पुलिस टीम को किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर हाईकोर्ट में फिर से आवाजाही शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज के मुताबिक जैसे ही हाईकोर्ट प्रशासन को संदिग्ध वस्तु या बम होने की जानकारी मिली। जिसके बाद बिना देरी किए इसकी सूचना पुलिस के अन्य आला अधिकारियों को दी गई। साथ ही प्रशासन की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें भी सत्यमेव जयते भवन पहुंची। जहां सुरक्षाकर्मियों ने पूरे भवन के एक-एक कमरे, गैलरी और पार्किंग एरिया की गहनता से तलाशी ली। इस दौरान सुरक्षा कारणों से भवन के अंदर किसी के भी प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके अलावा सत्यमेव जयते भवन का सर्च अभियान चलाया। जहां पुलिस टीम सहित अन्य एजेंसियों को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस पूरे घटनाक्रम के कारण हाईकोर्ट में गुरुवार को नियमित सुनवाई करीब आधे घंटे देरी से शुरू हो सकी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि धमकी भरे मेल करने की जांच साइबर टीम कर रही है। जिससे पता लगाया जा सके कि यह ई-मेल किस आईपी एड्रेस से भेजा गया है। साइबर लॉ से जुड़े वकील आदर्श सिंघल का कहना है कि इस मामले में मेल करने वाले को पकड़ना मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। उन्होने कहा इस तरह के मामलों में मेल करने वाला व्यक्ति वीपीएन वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का इस्तेमाल करता है। वीपीएन में आईपी एड्रेस बदलता रहता है। ऐसे में पुलिस आईपी एड्रेस के जरिए उस व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाती है। लेकिन ऐसा नहीं है कि उस व्यक्ति को पकड़ा ही नहीं जा सकता है। जो कंपनी वीपीएन प्रोवाइडर है, वो अपना डेटा रखती है। लेकिन दिक्कत यह है कि उनसे डाटा कैसे लिया जाए। डेटा के जरिए पुलिस मेल करने वाले तक पहुंच सकती हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत जयपुर आ रहे हैं। वह यहां साइबर सिक्योरिटी सेमिनार का उद्घाटन करेंगे। इसी बीच हाईकोर्ट को तीन दिन में दूसरी बार बम की धमकी मिली है। वहीं राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बेंच को पिछले चार महीने में 9वीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 31 अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट प्रशासन के पास पहली बार धमकी भरा मेल आया था। लेकिन उसके बाद से लगातार कुछ समय के अंतराल में इस तरह के मेल आ रहे हैं। इसके बाद हाईकोर्ट को 5 दिसंबर, 8, 9, 10 और 11 दिसंबर को धमकी मिली। वहीं साल 2026 में 6 और 17 फरवरी को हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज को मिली बम से उड़ाने की धमकी

प्रताप नगर थाना इलाके में स्थित आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज को गुरुवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। कॉलेज की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी सांगानेर हरिशंकर शर्मा ने बताया कि दोपहर करीब 11 बजे आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज की ऑफिशियल ई-मेल पर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिसएएटीएसएडॉग स्क्वायडए बम निरोधक दस्ता बीडीएस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एजेंसियों ने सुरक्षा के मद्देनजर पूरे मेडिकल कॉलेज कैंपस को खाली करवाया गया और सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। साथ ही डॉग स्क्वायड की सहायता से सभी भवनों, कक्षों और संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की गई। प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। हालांकि एहतियात के तौर पर तलाशी अभियान कुछ समय तक जारी रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है और भेजने वाले की पहचान व लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

ठेकेदार ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कानोता थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर में चालीस वर्षीय ठेकेदार द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर एक व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सवाई माधोपुर के बामनवास निवासी वकील प्रजापत कानोता में परिवार सहित रहकर निर्माणाधीन मकानों का ठेका लेने का कार्य करते थे। गत दिनों पहले अपने कमरे में बिजली के तार से फंदा लगाकर लटके मिले। घर पहुंचे एक रिश्तेदार ने उन्हें इस हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इधर मृतक के बेटे सतीश ने गांव के परिचित कालूराम के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए आरोप लगाया है कि कालूराम ब्याज का धंधा करता है और रुपयों के लेनदेन को लेकर पिछले तीन महीनों से उसके पिता को लगातार परेशान कर रहा था। परिजनों के अनुसार तीन माह पहले आरोपी उनकी कार ले गया था तथा जबरन खाली कागजात व स्टाम्प पर हस्ताक्षर करवा लिए थे।

प्राचीन श्याम मंदिर के महंत ने की यूडीएच मंत्री से मुलाकात

निसं

सूरजगढ़ (नवयत्न)। कस्बे के प्राचीन श्याम मंदिर के महंत मनोहर लाल इंदोरिया ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा से उनके जयपुर स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान महंत मनोहर लाल ने मंत्री को प्राचीन श्याम निशान की प्रतिमा भेंट करते हुए उन्हें श्याम दुपट्टा पहनाकर आशीर्वाद दिया व क्षेत्र में खुशहाली की कामना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर निशान सेवादार मोहर सिंह गौड़, रोहिताश जांगिड़, मनीष इंदोरिया, अरूण कुमार बोरा, राजकुमार सैनी, नेपाल काने सहित भक्तगण मौजूद रहे।

बधाई : प्रियंका गुर्जर बनी सहायक प्रोफेसर

प्रथम प्रयास में पाई राज्य में 38वीं रैंक

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। मलसीसर तहसील के छोटे से गांव निराधनु की बेटी प्रियंका गुर्जर ने सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। समाजशास्त्र विषय में उन्होंने राज्य स्तर पर 38वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। प्रियंका की सफलता इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने बिना किसी कोचिंग संस्थान का सहारा लिए गांव में रहकर स्वाध्याय के बल पर यह मुकाम हासिल किया। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश के बावजूद उन्होंने निरंतर मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ तैयारी की। उनकी यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि सच्ची लगन और आत्मविश्वास के सामने संसाधनों की कमी बाधा नहीं बनती। निराधनु गांव की प्रियंका पहली ऐसी बेटी होगी जो सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त होकर गांव का प्रतिनिधित्व करेंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए नई राह खुली है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश गया है। प्रियंका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता प्रभु दयाल सिंह और किरण देवी को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया और शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

उन्होंने अपने चाचा सज्जन सिंह एवं दौलत सिंह धाभाई का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जिनका मार्गदर्शन और सहयोग उन्हें लगातार मिलता रहा। भाईसाहब डॉ. विजय के साथ-साथ भाई अजय, हिमांशु और दीपांशु ने भी तैयारी के दौरान हर संभव सहयोग प्रदान किया। प्रियंका ने कहा कि परिवार के विश्वास और समर्थन ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। प्रियंका की सफलता की खबर मिलते ही गांव में बधाइयों का तांता लग गया। ग्रामीणों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया। युवाओं ने इसे प्रेरणास्रोत मानते हुए कहा कि प्रियंका ने यह साबित कर दिया है कि गांव की बेटियां भी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। प्रियंका शीघ्र ही राजकीय महाविद्यालय, मलसीसर में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगी और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देंगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और ग्रामीण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। प्रियंका गुर्जर की यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और यह ग्रामीण प्रतिभा की शक्ति का सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है।

पंचकल्याणक महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक एवं पद्म बल्लभ शिखर पर कलश-ध्वजारोहण के पांच दिवसीय महा-महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा-उल्लास से मनाया गया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी व गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में पाण्डुक शिला पर तीर्थंकर बालक आदि कुमार का 1008 कलशों से जन्माभिषेक हुआ। प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन ;धरियावदद्ध के निर्देशन में प्रात: 6:30 बजे नित्य अभिषेक व शांतिधारा के साथ जन्म कल्याणक की क्रियाएं संपन्न हुईं। महाराजा नाभिराय व रानी मरुदेवी के यहां तीर्थंकर जन्म के प्रसंगों का मंचन हुआ। सौधर्म इन्द्रए कुबेर, ईशान इन्द्र सहित विभिन्न पात्रों की झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। वहीं धर्मसभा में चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन हुआ। मुनि प्रभव सागर के जन्म व दीक्षा दिवस पर पाद प्रक्षालन व जिनवाणी भेंट की गई। विधायक कालीचरण सराफने भी दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसी अवसर पर मनोरमा देवी को 120वीं दीक्षा देते हुए आर्यिका वासुपूज्य मति नाम प्रदान किया गया। प्रात: 11 बजे भव्य लवाजमे के साथ जन्म कल्याणक शोभायात्रा निकली, जो विभिन्न मार्गों से पाण्डुक शिला पहुंची। श्रद्धालु भजनों पर नाचते-गाते शामिल हुए। दोपहर में 96 औषधियों से प्रतिमाओं का लेपन, धवला ग्रंथ विमोचन व श्रुत पूजन हुआ। सायंकाल आरती व शास्त्र सभा के बाद राजा नाभिराय दरबार तथा रात्रि में पालना व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इसके अलावा 20 फरवरी को तप कल्याणक की क्रिया, 21 फरवरी को केवलज्ञान और 22 फरवरी को मोक्ष कल्याणक, रथयात्रा, कलशारोहण व ध्वजारोहण के साथ समापन होगा।

प्रदेश के प्रथम दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में पहली बार 111 फीट ऊंची धर्म ध्वजा स्थापित की जाएगी। इसी दिन मुन्नालाल टकसाली को जिनेश्वरी दीक्षा भी प्रदान की जाएगी।

प्रिंस एकेडमी के म्यूजिकल बैंड का 2 लाख के नकद पुरस्कार से सम्मान

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जयपुर-बीकानेर बाईपास, सीकर स्थित सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रिंस एकेडमी में म्यूजिकल बैंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में प्रिंस एजुहब चेयरमैन डॉ. पीयूष सुण्डा, मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन, प्रबंध निदेशक एम. आर. अग्रवाल, प्रिंसिपल पूनम चौहान, एकेडमिक हेड धर्मपाल सिंह, जयपाल सिंह एवं बैंड इंस्ट्रक्टर कैप्टन के.सी. भट्ट द्वारा बैंड टीम को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए 2 लाख रुपये का नकद पुरस्कारए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत ड्रोन बनाकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं के छात्र नमन को 21,000 रुपये की नकद राशि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कोऑर्डिनेटर्स एवं फैकल्टी मेंबर्स सहित हजारों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्लीपर बस ने स्कूल बस को मारी टक्कर : छह स्कूली बच्चे घायल

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर ग्रामीण जिले के फुलेरा थाना क्षेत्र में नागौर-फलोदी मेगा हाईवे पर गुरुवार सुबह बड़ा हादसा होते.होते टल गया। खतवाड़ी मोड़ के पास अनियंत्रित स्लीपर बस ने पहले 11 हजार केवी के बिजली पोल को टक्कर मारी। जिससे पोल टूटकर वहां खड़ी स्कूल बस पर गिर गया। इसके बाद स्लीपर बस ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में छह बच्चे घायल हो गए। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह एक स्लीपर बस फरीदाबाद से मकराना शादी समारोह में शामिल होने जा रहे यात्रियों को लेकर जा रही थी। उसी समय एक स्कूल बस बच्चों को लेने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी। सड़क पर बने गड्ढों के कारण जोबनेर की ओर से आ रही स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पहले बिजली के पोल से टकराई। टक्कर से पोल टूटकर स्कूल बस पर गिर पड़ा और स्लीपर बस बस स्टैंड पर लगी कुर्सियों में जा घुसी। वहां मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई। इसके बाद स्लीपर बस ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मारी और एक पेड़ से टकराकर रुकी। टक्कर लगने से स्कूल बस में सवार छह बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार बारिश के कारण बिजली लाइन में फाल्ट होने से सप्लाई बंद थी। पोल गिरते समय बिजली बंद होने से बड़ा हादसा टल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जयपुर में पहली बार स्टार शूटिंग लीग में डेढ़ हजार निशानेबाज लेंगे भाग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी में पहली बार निशानेबाजी की लीग का आयोजन किया जा रहा है। 27 फरवरी से 1 मार्च तक जगतपुरा स्थित शूटिंग रेंज में स्टार शूटिंग लीग जयपुर 2026 आयोजित होगी। जिसमें देशभर से करीब 1 हजार 500 निशानेबाज भाग लेंगे। आयोजन एकलव्य स्पोर्ट्स शूटिंग अकादमी की ओर से राजस्थान राइफल एसोसिएशन के सहयोग से किया जा रहा है। शूटिंग कोच जोगेंद्र सिंह और योगेश शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में होगी। इसमें जूनियर, सीनियर और सब-जूनियर वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे। कई राष्ट्रीय और राज्य स्तर के पदक विजेता निशानेबाज भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में 60 शॉट्स का क्वालिफिकेशन राउंड होगा। जिसमें देशभर के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। दूसरे चरण में 40 शॉट्स का सेमीफाइनल होगा। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ 24-24 शूटरों की 8-8 टीमें बनाई जाएंगी और उनका ऑक्शन किया जाएगा। ऑक्शन में निजी अकादमियों और निशानेबाजी उपकरण बनाने वाली कंपनियों की भागीदारी संभव है। अंतिम चरण में 24 शॉट्स के फाइनल मुकाबले होंगे। सभी मुकाबले इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग टारगेट ईएसटी पर आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता का संचालन आईएसएसएफ और एनआरएआई के नियमों के अनुसार किया जाएगा। वहीं प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण क्वालिफिकेशन राउंड 60 शॉट्स है। जिसमें देशभर से खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। दूसरा चरण सेमीफाइनल 40 शॉट्स है। जिसमें शीर्ष खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे और तीसरा चरण फाइनल 24 शॉट्स है। जिसमें शीर्ष खिलाड़ी फाइनल में मुकाबला करेंगे।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम एवं सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने युवाओं से किया संवाद

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारतीय वायु सेना की ब्रांड एंबेसडर टीमों सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने गुरुवार को जयपुर के युवाओं से संवाद कर उन्हें राष्ट्र सेवाए अनुशासन और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया। संवाद कार्यक्रम हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह मेहता सभागार में आयोजित हुआ। जिसमें एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं मूक-बधिर विद्यार्थी उपस्थित रहे। टीम सदस्यों ने विद्यार्थियों को वायुसेना में करियर के अवसरों, कठोर प्रशिक्षण प्रक्रिया, टीमवर्क और समर्पण के महत्व से अवगत कराया। साथ ही 20 एवं 22 फरवरी को जल महल की पाल पर प्रस्तावित भव्य एयर शो की जानकारी साझा की। पायलटों ने कहा कि जयपुर वासियों के लिए यह अवसर भारतीय वायुसेना के साहस, सटीकता और अनुशासन को सजीव रूप में देखने का यादगार क्षण होगा। आयोजन में जानकारी दी गई कि वर्ष 1996 में स्थापित सूर्य किरण एरोबैटिक टीम एशिया की एकमात्र नौ-विमान एरोबैटिक टीम है और विश्व की चुनिंदा टीमों में शामिल है। यह टीम लाल-सफेद रंग के आकर्षक एचएडब्ल्यूके एमके-132 जेट विमानों पर उड़ान भरते हुए लूप, बैरल रोल, उल्टी उड़ान तथा लोकप्रिय डीएनए संरचना जैसे रोमांचक करतब प्रस्तुत करती है। अब तक 800 से अधिक प्रदर्शनों के माध्यम से टीम ने चीन, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात सहित अनेक देशों में भारतीय वायुसेना की पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन किया है। टीम में 14 पायलट शामिल हैं। टीम लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दसरथी सु-30 एमकेआई के अनुभवी पायलट हैं तथा डेप्यूटी लीडर विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह हैं। अन्य पायलटों एवं तकनीकी अधिकारियों की समर्पित टीम सटीक गठन उड़ान को संभव बनाती है। उल्लेखनीय है कि टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर से ही हैं। हाल ही में विमानों में स्वदेशी स्मोक पॉड्स का एकीकरण किया गया है, जिसे वायुसेना के 11 बेस रिपेयर डिपो, नासिक में विकसित किया गया है। इससे प्रदर्शन के दौरान आकाश में तिरंगे के रंगों की आकर्षक छटा बिखेरी जा सकती है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाती है। वहीं आयोजन में यह भी जानकारी दी गई कि सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने रंग-बिरंगे हेलीकॉप्टरों और सटीक सामूहिक उड़ान के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। वर्ष 2004 में सिंगापुर में आयोजित एशियन एरोस्पेस शो में पहली अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुति के बाद से टीम 390 से अधिक स्थलों पर 1200 से अधिक प्रदर्शन कर चुकी है। टीम ध्रुव हेलिकॉप्टर का संचालन करती है। जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है। यह सर्व-मौसम और बहु.उद्देश्यीय क्षमता वाला हेलिकॉप्टर है। जो आत्मनिर्भरता की भावना का सशक्त प्रतीक है। 20 फरवरी तक अभ्यास उड़ानों के पश्चात 22 फरवरी को जल महल के ऊपर पाँच हेलिकॉप्टरों का भव्य सामूहिक प्रदर्शन जयपुर वासियों को रोमांचित करेगा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का आदर्श वाक्य सदैव सर्वोत्कृष्ट उत्कृष्टता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रतिबिंबित करता है। युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम ने न केवल उन्हें प्रेरित किया, बल्कि भारतीय वायुसेना के साहसिक एवं तकनीकी कौशल की झलक भी प्रस्तुत की। जयपुर का आसमान 20 और 22 फरवरी को इसी जोश और गौरव का साक्षी बनेगा।

वर्ल्ड बेस्ट रोबोट से होंगे मणिपाल हॉस्पिटल में जोड़ प्रत्यारोपण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी को अधिक सटीक, दर्द रहित और दीर्घायु बनाने में दुनिया के टॉप रोबोटिक तकनीक का उपयोग अब मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर में होगा। जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के हेड एवं रोबोटिक सर्जरी एक्सपर्ट डॉ बी आर बगड़िया ने बताया कि ये हमने जो कोरी रोबोटिक सिस्टम लांच किया है। ये दुनिया में टॉप यूएसए एफडी, अप्रूव्ड एवं सबसे ज़्यादा विकसित और कारगर है। जिसके पक्ष में सबसे ज्यादा स्टडी डेटा और रिसर्च है। ये रोबोटिक सिस्टम सबसे ज्यादा पेशेंट एवं डॉक्टर फ्रेंडली है इसका मतलब ये है की सर्जरी को बहुत फास्ट और बेहतरीन सटीकता के साथ करता है। जिसका सीधा फायदा मरीज को होता है। इस सिस्टम का पूरा कंट्रोल डॉक्टर के हाथ में रहता है जिससे मरीज को किसी भी तरीके की हानि की संभावना नहीं रहती। डॉ बगड़िया ने बताया की रोबोटिक जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी के सीधे फायदे लोगो को मिलेगा। जिनको दो तरीके से देखे जा सकते है। प्रारंभिक समय में देखे तो सर्जरी के दौरान मांसपेशियां कम कटेगी, बोन में छेद नहीं होगा, ब्लड लॉस नहीं होगा । प्रोस्थेसिस बहुत सटीक लगेगा । आर्टिफीसियल जोड़ की चाल पूर्णतया बैलेंस रहेगी तो सर्जरी के बाद रिकवरी फ़ास्ट होगीएदर्द कम होगाएमरीज बहुत खुश रहेगा । डॉ बगड़िया ने बताया की रोबोट एक मार्केटिंग प्रोपेगेंडा नहीं होना चाहिए इसका उपयोग सर्जन की स्किल के साथ ही बेहतरीन परिणाम दे सकता है और विश्व की टॉप टेक्नोलॉजी के रोबोट ही मरीज को फायदा दे सकता है।

रौद्र संवत्सर का आरंभ 19 मार्च से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च से विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होगा। वर्ष भर होने वाले धार्मिक संकल्प, पूजा-पाठ और अनुष्ठानों में संकल्प संवत्सर के रूप में रौद्र नाम का उच्चारण किया जाएगा। नवसंवत्सर के साथ ही चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होगा, जो शक्ति उपासना का प्रमुख पर्व है। भारतीय पंचांग के अनुसार इसी दिन से नव संवत्सर का आरंभ माना जाता है, जिसे सृष्टि के नवचक्र की शुरुआत का प्रतीक भी कहा गया है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस वर्ष ब्रह्मांडीय व्यवस्था में विशेष परिवर्तन होगा तथा देव गुरु बृहस्पति सृष्टि की सत्ता के प्रमुख अधिष्ठाता माने जाएंगे। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा के अनुसार संवत 2083 का नाम रौद्र संवत्सर होगा, जिसका स्वभाव तीव्र और परिवर्तनकारी माना जाता है। रौद्र संवत्सर का प्रभाव प्राकृतिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है। इस दौरान मौसम में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। गर्मी के मौसम में कहीं अत्यधिक तापमान और लू का प्रकोप देखने को मिल सकता हैए वहीं कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। इसके विपरीत कुछ स्थानों पर अल्पवर्षा या सूखे की स्थिति भी बन सकती है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे आंधी-तूफान, भूकंप और अतिवृष्टि की घटनाओं में वृद्धि की आशंका भी जताई जा रही है। ज्योतिषाचार्य डॉ. मिश्रा के अनुसार रौद्र संवत्सर में मंत्री पद पर मंगल देव का प्रभाव रहेगा। मंगल को उग्रता और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस दौरान हिंसा और अपराध की घटनाओं में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। लोगों के स्वभाव में क्रोध और आवेश बढ़ सकता है तथा रक्त संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढने की आशंका है। हालांकि ग्रहों की संतुलित स्थिति के कारण परिस्थितियां पूरी तरह अनियंत्रित नहीं होंगी और नियंत्रण बना रहेगा।

जप-तप ही एकमात्र आसरा

हालांकि ज्योतिष शास्त्र में यह भी बताया गया है कि धार्मिक अनुष्ठान जप-त, हवन, दान-पुण्य तथा सत्कर्मों के माध्यम से नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है। नव संवत्सर के दिन विशेष रूप से देवी.देवताओं की पूजा का महत्व बताया गया है। विद्वानों का मानना है कि आध्यात्मिक साधना और सकारात्मक कर्मों से प्रकृति में संतुलन स्थापित होता है तथा समाज में सुख, समृद्धि और शांति का वातावरण बना रहता है।

सामूहिक यौन हमला व दुष्कर्म के दो आरोपियों को 20-20 वर्ष का कारावास

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। झुंझुनू स्थित पोक्सो न्यायालय के विशिष्ठ न्यायाधीश इसरार खोखर द्वारा गुरूवार को दिये एक निर्णय में एक नाबालिग से सामुहिक दुष्कर्म व यौन हमला करने के दो आरोपियों आदित्य उर्फ टोनी निवासी मैनाना पुलिस थाना सिंघाना व रवि शर्मा निवासी श्यामपुरा पुलिस थाना सिंघाना जिला झुंझुनू को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास व 50-50 हजार रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अर्थदण्ड अदा नहीं करने पर दोनों आरोपियों को तीन-तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास और भुगतना होगा। इस सम्बन्ध में 15 जुलाई 2024 को पुलिस थाना सिंघाना पर पीड़िता के माता व पिता ने एक रिपोर्ट दी कि उसकी नाबालिग पुत्री 15 जुलाई 2024 को स्कूल की आधी छुट्टी होने पर स्कूल के ग्राउण्ड में खड़ी थी कि उसी समय आदित्य व उसके साथ एक अन्य लड़का जिसे उसकी लड़की नहीं जानती, ये दोनों मिलकर उसे जबरदस्ती मोटरसाईकिल पर बैठा कर उसका अपहरण कर ले गये व उससे दुष्कर्म किया व दूसरा लड़का जाल के पास बैठा था व आने-जाने को देखता था तथा बाद में गांव के बाहर छोड़ गये। उसकी लड़की जब घर आयी तो लड़की ने सारी बात बतायी। पुलिस ने मामला दर्ज कर बाद जांच आरोपी आदित्य उर्फ टोनी व रवि शर्मा के विरूद्ध पोक्सो एक्ट में सम्बन्धित न्यायालय में चालान पेश कर दिया। राज्य सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे विशिष्ठ लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह भाम्बू ने इस मामले में 24 गवाहान के बयान करवाये व 51 दस्तावेज प्रदर्शित करवाते हुये न्यायालय में तर्क दिया कि पीड़िता ने बताया कि आदित्य उसे टॉर्चर करता था तथा एक बार पीड़िता के स्कूल में कार्यक्रम था। उस कार्यक्रम में पीड़िता अपने क्लासरूम में कपड़े बदल रही थी तब उसने मोबाईल से उसकी फोटो ले ली व फोटो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से रूपये मांगता था। पीड़िता ने एक बार उसे दो हजार रूपये भी दिये थे।

उन्होंने बताया कि 15 जुलाई 2024 को सुबह सवा दस बजे आदित्य व एक अन्य लड़का रवि जबरदस्ती पीड़िता को स्कूल मैदान से उठाकर मोटरसाईकिल पर बैठाकर कांकड़ में ले गये जो कि पेड़ों का जाल है व आदित्य ने उससे जबरदस्ती बलात्कार किया। भाम्बू ने न्यायालय में तर्क दिया कि दोनों ही आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये। न्यायाधीश ने पत्रावली पर आई साक्ष्य का बारिकी से विश्लेषण करते हुये आरोपी आदित्य उर्फ टोनी व रवि शर्मा को उक्तानुसार सजा देते हुये दोनों ही आरोपियों को विभिन्न धाराओं में और सजा देते हुये सभी सजाये साथ-साथ भुगतने का भी आदेश दिया।

योग-ज्योतिष और आयुर्वेद महाकुंभ में जुटेंगे योग गुरु, ज्योतिषाचार्य और वेलनेस विशेषज्ञ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी दिल्ली जल्द ही योग, आयुर्वेद, ध्यान और वैदिक विज्ञान की दिव्य ऊर्जा से सराबोर होगा। अप्रैल 2026 में स्यात योग एग्जिबिशन और एआईएसी सीजन-तीन का भव्य आयोजन एआईएसी और स्यात योग एंड बियॉन्ड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में होने जा रहा है। यह आयोजन भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को एक वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इस बहुप्रतीक्षित कॉन्क्लेव में देश-विदेश से योग गुरु, आयुर्वेदाचार्य, ज्योतिष विशेषज्ञ, आध्यात्मिक मार्गदर्शक, शोधकर्ता, वेलनेस ब्रांड्स और हजारों साधक एकत्रित होंगे। कार्येक्रम संयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने बताया कि आयोजन का पहला आमंत्रण आयोजक आयोजक स्वामी अमित देव और नेशनल प्रेजिडेंट, महेश गोयल ने दिल्ली की मुखयमंत्री, रेखा गुप्ता को दिया। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य केवल ज्ञान साझा करना नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली में मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने के लिए समग्र समाधान प्रदान करना है।

सम्मेलन के दौरान योग एवं योगिक साइंस सत्रों, ध्यान और माइंडफुलनेस कार्यशालाओं, आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं प्राकृतिक उपचार, वैदिक ज्योतिष पर परामर्श, मंत्रोच्चार, हवन एवं वैदिक अनुष्ठानों के साथ-साथ वास्तु शास्त्र और ऊर्जा संतुलन पर विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त आध्यात्मिक उत्पादों, वेलनेस ब्रांड्स, आयुर्वेदिक समाधानों और ज्योतिषीय उपकरणों की एक भव्य एग्जिबिशन भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

आयोजक स्वामी अमित देव, एम आर वी ग्रुप ऑफस्कूल और डॉ. मेघा शर्मा के अनुसार, यह आयोजन जहाँ योग मिलेगा ज्योतिष सेए विज्ञान मिलेगा आध्यात्म से और परंपरा मिलेगी परिवर्तन से की अवधारणा को साकार करेगा। यह मंच साधकों, विशेषज्ञों और उद्यमियों के बीच सहयोग, संवाद और नेटवर्किंग के नए अवसर भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शीघ्र ही प्रारंभ किए जाएंगे और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

महापंचायत को लेकर गांवो में जनसंपर्क अभियान जारी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। किसान व आमजन की विभिन्न समस्याओं किसानों का बकाया बीमा क्लेम, एमएसपी गारंटी कानून बनाने, बिजली स्मार्ट मीटर योजना को बंद करने, सुजानगढ़ को जिला बनानेए किसानों के खेतों की हो रही पेमाईश में त्रुटि को सही करने, सुजानगढ़ शहर में हो रही चोरियों व नशे पर अंकुश लगाने, सुजानगढ़ शहर में गंदे पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था करने, प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों की लूट पर रोक लगाने व आरबीआई गाइडलाइन के अनुसार ब्याज लिया जाने, आदि 23 सूत्री मांगों को लेकर 27 फरवरी को किसान महापंचायत उपखंड कार्यालय सुजानगढ़ के सामने आयोजित होगी।

महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गांव गनोड़ा, बिलंगा, लिखमीसर, मून्धंडा, जिली, मंगरासर, कानोता, बाघसरा, करेजड़ा, भाषिना, कोडासर, सारंगसर, लुहारा, उडवालाए पारेवड़ा आदि गांव में किसान सभा अध्यक्ष तेजपाल गोदारा, किसान सभा सचिव कामरेड रामनारायण रूलानिया, डीवाईएफआई अध्यक्ष दीनदयाल गुलेरिया, एसएफआई जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश डुडी, सागर मेघवाल, हेमंत ढाका, लियाकत खान, जयराम टांडी आदि ने जनसंपर्क कर अखिल भारतीय किसान सभा की ग्राम कमेटिया गठित की और जिम्मेदारी दी गई।

रामनारायण रूलाणिया ने बताया कि 26 फरवरी तक जनसंपर्क अभियान जारी रहेगा। 27 फरवरी को होने वाली महापंचायत को सीकर के सांसद कॉमरेड अमराराम सहित अनेक किसान नेता सम्बोधित करेंगे।

जीईजी स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस ने किया इंजीनियरिंग उत्कृष्टता में नया मानक स्थापित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप जीईजी के स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस ने भारत के सबसे उन्नत ऑटोमेटेड रैकिंग सिस्टम एआरएस रैक क्लैड वेयरहाउस में से एक को सफलतापूर्वक पूरा कर डिलीवर किया। यह समाधान देश की अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनियों में से एक के लिए तैयार किया गया है। जो भारत के विकसित हो रहे विनिर्माण बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस के बिजनेस हेड विकास चौदाहा ने कहा कि 120 फीट 36 मीटर ऊंचा यह हाई-बे ऑटोमेटेड रैक क्लैड वेयरहाउस भारत में डिजाइन और निष्पादित की गई इंजीनियरिंग-आधारित नवाचार का प्रतीक है, जिसमें संरचनात्मक रैकिंग, ऑटोमेशन और क्लैडिंग को एक ही एकीकृत प्रणाली में शामिल किया गया है। मात्र 11 हजार 490 वर्ग फीट के कॉम्पैक्ट क्षेत्र में यह सुविधा 6 हजार 316 पैलेट पोजिशन को समायोजित करती है। जिससे न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ उच्च घनत्व वाला, पूरी तरह स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्ति संभव हो पाती है।

यह प्रणाली इन्वेंट्री की सटीकता, पुट, ट्रेसबिलिटी और परिचालन विश्वसनीयता को बढ़ाती है तथा बड़े पैमाने के फार्मास्युटिकल संचालन की कठोर आवश्यकताओं को पूरा करती है। 216 फीट 66 मीटर लंबाई और 56 फीट 17 मीटर चौड़ाई वाले इस ढांचे में वर्टिकल क्षमता का अधिकतम उपयोग किया गया है, जिससे भूमि उपयोग या निर्माण समय में समानुपातिक वृद्धि किए बिना विस्तार योग्य विकास संभव हो सका है।

विकास चौदाहा ने कहा कि यह परियोजना इस बात का सशक्त प्रमाण है कि उद्देश्य-प्रेरित नवाचार के साथ भारतीय इंजीनियरिंग और विनिर्माण उत्कृष्टता क्या हासिल कर सकती है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में हम बुनियादी ढांचे को केवल एक व्यावसायिक डिलीवरी नहीं, बल्कि देश की प्रगति में योगदान के रूप में देखते हैं। अपनी तरह का यह पहला एआरएस रैक क्लैड वेयरहाउस कॉम्पैक्ट क्षेत्र में ही बड़े पैमाने, दक्षता और विश्वसनीयता को सक्षम बनाता है और भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण उद्योगों हेतु भविष्य-तैयार समाधान तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गांवों में चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करने की अपील

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल ने विधनसभा में बोलते हुए सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिक स्तर पर मजबूत करने पर बल दिया है। विधायक मेघवाल ने विधानसभा में बोलते हुए कहा कि प्राथमिक स्तर पर मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है, ताकि बड़े अस्पतालों पर दबाव कम हो और लोगों को प्राथमिक स्तर पर अच्छे उपचार मिल सके। उन्होंने बजट में चिकित्सा सेवाओं की उपेक्षा के आरोप लगाते हुए कहा कि बहुत ही कम सब सेंटर्स को क्रमोन्नत किया गया है, जबकि सुजानगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में काफी सारे सब सेंटर्स को क्रमोन्नत किए जाने की आवश्यकता है। मेघवाल ने सोनोग्राफी की समस्या का बगड़िया अस्पताल में समाधान करवाने की मांग भी की। इसी प्रकार सारोठिया, मूंधड़ा आदि गांवो में चिकित्सकों के पद भरे जाने की मांग भी की गई।

आठवीं बोर्ड की परीक्षाएं हुई शुरू

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। कक्षा आठवीं बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। इसको लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। परीक्षा केंद्रो पर जो बच्चे चिंता के साथ परीक्षा देने गए थे, वापस जब परीक्षा केंद्रो से बाहर निकले तो उनके चेहरे खिले हुए नजर आए। परीक्षार्थी बच्चों ने बताया कि अंग्रेजी विषय का पेपर था और पहले की विषय का पेपर आसान रहा है। जिसके चलते हम लोगों में खुशी है। दोपहर की पारी में इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

फलेरा दोज के अबूझ सावे पर सैंकड़ों जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

निसं

जयपुर (नवयत्न)। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया यानी फुलेरा दोज के स्वयंसिद्ध अबूझ मुहूर्त पर गुरुवार को राजधानी में धार्मिक आस्था, उत्साह और उल्लास का त्रिवेणी संगम देखने को मिला। शहर में बैंड.बाजा और बारात की धूम के बीच बड़ी संख्या में विवाह समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए। गार्डन, रिसोर्ट, बैंक्वेट हॉल और सामुदायिक केन्द्र विवाह आयोजनों से गुलजार रहे तथा पूरे राजधानी में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। हालांकि बारात के कारण मैरिज गार्डनों के आसपास जाम के हालात रहे। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में सादगी पूर्वक विवाह हुआ। आचार्य पीठ से मणिशंकर पाटीदार ने वैदिक विधि से पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराया। उपस्थित सभी लोगों ने पुष्प वर्षा कर नवदंपत्ति को आशीर्वाद प्रदान किया। वर-वधु को उपहार में गृहस्थ जीवन से जुड़ी पुस्तकों का सैट प्रदान किया गया। फिजूलखर्ची रोकने के लिए दिन में फेरे कराए गए। गायत्री परिवार की ओर से विभिन्न विवाह स्थलों पर जूठन नहीं छोडने की अपील की गई। उतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में लिखी तख्तियां लेकर गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने प्रेरक संदेश दिया।

अन्य मांगलिक आयोजन भी हुए

फुलेरा दोज को विवाह के अलावा गृह प्रवेश, संपत्ति क्रय, व्यवसाय आरंभ, नींव पूजन सहित सभी प्रकार के मांगलिक कार्यों की धूम रही। अबूझ मुहूर्त होने से लग्न, वार एवं चंद्रमा से जुड़े दोष स्वत: समाप्त हो जाते हैं, जिसके कारण बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित हुए। सर्दियों के विवाह सीजन का यह अंतिम प्रमुख शुभ दिन भी रहा। मौसम में आए बदलाव और हल्की बारिश के कारण विवाह दो दिन पहले के कार्यक्रम जैसे भात, महिला संगीत एवं हल्दी समारोह आंशिक रूप से प्रभावित हुए थे। तेज हवा के चलते खुले स्थानों पर लगाए गए टेंट उडने से कई आयोजनों को बैंक्वेट हॉल में स्थानांतरित करना पड़ा। लेकिन गुरुवार को मौसम साफरहने और हल्की धूप खिलने से विवाह समारोह सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुए।

गुर्जर समाज के 23 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

गुर्जर समाज सामूहिक विवाह आयोजन समिति की ओर से फुलेरा दोज आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में 22वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन किया गया। इसमें 23 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार कराया गया। मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने नव दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजन पूरे समाज को

एक परिवार के रूप में परस्पर सद्भावना, संस्कार और सहयोग की भावना के साथ जोडकर एक सशक्त समाज का निर्माण करते हैं। मेरी भगवान श्री देवनारायण जी से यही कामना है कि वीर गुर्जर समाज द्वारा फुलेरा दूज पर इस पवित्र आयोजन की परंपरा सतत चलती रहे है। इसके लिए समिति को सदैव की भांति यथासंभव आर्थिक सहयोग भी सतत् जारी रहेगा। मंगलनाथ महाराज के सान्निध्य में आयोजन समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल छाबड़ी, महामंत्री नवरतन गुर्जर बारवाल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण लादी, सुशील गुर्जर, सिविल लाइंस के वरिष्ठ भाजपा नेता मोहनलाल बागड़ी, राकेश गुर्जर भी उपस्थिति रहे। सभी ने नवं दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया और विधायक गोपाल शर्मा का अभिनंदन किया।

पूर्व विधायक महर्षि ने की जनसुनवाई

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र से आये आमजन की विभिन्न समस्याओं को सुनकर सम्बंधित विभाग के अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान महर्षि ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं का सहजता से निराकरण होना जरुरी है। किसी भी समस्याओं को लम्बित रखना, विकास कार्य में अवरोधक बनने जैसा है। महर्षि ने कहा कि भाजपा के सुशासन में मूलभूत आवश्यकताओं में आ रही समस्याओं का यथोउचित समाधान भी हो रहा है। जनसुनवाई में महर्षि ने विधुत पोल शिफ्टिंग, आपणी योजना, ढीले पड़े विधुत तारों को कसवाने, नई सड़क निर्माण करवाने जैसे समस्याओं का समाधान करवाने के अलावा विभिन्न विभागों की समस्याओं के समाधान के लिए भी सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देश दिये द्य इस अवसर दर्जनों की संख्या में भाजपा नेता एवम क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है।

यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुन: पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

निश्चित रूप से न्यायिक प्रक्रिया को न्याय के नैसर्गिक नियमों के अनुरूप ही व्यवहार करना चाहिए। जो देश की न्यायिक व्यवस्था के प्रति आम आदमी के भरोसे को बढ़ाने वाला भी होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जब व्यक्ति समाज में चारों तरफ से व सिस्टम से निराश हो जाता है तो न्याय की चौखट उसकी उम्मीद की अंतिम किरण होती है।

विशेष आलेख

एआई में नवाचार के साथ मौलिकता की शर्त

देश में नवाचार के तंत्र के विकास की दिशा में पहल सार्थक है लेकिन तकनीकी इनोवेशन का मौलिक होना जरूरी है। जबकि एआई की भाषा में नवाचार कुछ तथ्यों और पैटर्न को समझ तय ढांचे में चीजों को पेश कर देना है। आज हम विकसित दुनिया का जो चेहरा देख पा रहे हैं, उसमें विज्ञान और तकनीकी उन्नति की बड़ी भूमिका है। यही वजह है कि जैसे ही किसी नई तकनीक का आविष्कार होता है, दुनिया में उसे समझने और अपनाने की होड़ पैदा हो जाती है। हाल के अरसे में इंटरनेट के बाद जिस तकनीकी आविष्कार की सबसे ज्यादा चर्चा रही है, वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) है। सवा तीन साल पहले नई भूमिका में अवतरित हुई इस तकनीक के कमाल इतने लुभावने हैं कि लगभग हर महीने दुनिया के किसी न किसी कोने से इससे जुड़े किसी नए करिश्मे की खबर आ जाती है। यही वजह कि इस तकनीक में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदमताल करने की मंशा से भारत सरकार ने वैश्विक स्तर का पांच दिवसीय एक आयोजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नाम से किया और 140 देशों को इसमें आमंत्रित किया।

देश में यह पहल निश्चय ही सराहनीय है, लेकिन तकनीकी नवाचार (इनोवेशन) की कुछ अलिखित शर्तें हैं, जिनमें मौलिकता पहली है। मौलिक और रचनात्मक विचारों-आविष्कारों के बल पर कुछ देश और संगठन तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक मान्यता अर्जित करते हैं और सफलता की नई मीनारें खड़ी करते हैं। अभिप्राय यह कि तकनीकी नवाचार में नकल या कॉपी-पेस्ट जैसी चीजें नहीं चलतीं। इसमें कुछ अलग हटकर कर दिखाना ही सफलता की प्रमुख अनिवार्यता है। इस दृष्टिकोण से 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में घटित कुछ घटनाओं को देखें, तो लगता है कि एक तकनीक के रूप में एआई की जो बड़ी खामी है, वह इसके परिदृश्य में शामिल हो रहे कुछ लोगों-संगठनों को भी अपनी पकड़ में ले चुकी है और उनका व्यवहार इसी के अनुरूप है।

एआई पर तोहमत यह है कि यह अपनी ओर से कुछ नया नहीं रचती या रचनात्मक नहीं जोड़ती है। कुछ आंकड़ों, तथ्यों और पैटर्न को समझकर एक सुनिश्चित ढांचे में चीजों को पेश कर देना ही इसकी भाषा में नवाचार है, जो असल में नहीं है। चीजों को तेजी से संजोकर नए पैटर्न में कोई सामग्री पेश कर देना तो इसे (एआई टूल्स को) आता है, लेकिन यह औसत इंसानी समझ के दायरे से बाहर नहीं जा पाती। जबकि नवाचार इससे काफी अलहदा होता है। यही वजह कि एआई समिट के तीसरे दिन दिल्ली-एनसीआर के एक निजी विश्वविद्यालय की ओर से महासम्मेलन में दिखाए जा रहे एआई रोबोट और सॉकर ड्रोन को लेकर किए जा रहे दावों की सच्चाई सामने आ गई कि इन्हें चीन और कोरियाई कंपनियों से खरीदा गया है, न कि विश्वविद्यालय के तंत्र और छात्रों ने बनाया है। हालांकि विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि उनके कैंपस में इन्हें डिवेलप किया जा रहा था, न कि इन्हें बनाया (बिल्ड किया) गया था। अगर ऐसा भी है, तो यह किसी का चित्र या वीडियो देखकर उसकी नकल (डीपफेक) तैयार करने के समकक्ष बैठता है और हमें एआई को लेकर देश में हो रही पहलकदमियों को लेकर ज्यादा गंभीरता से विचार करने को प्रेरित करता है।

यहां एआई को लेकर भारत में हो रहे कथित नवाचार को लेकर सवाल पैदा होते हैं। जैसे, पहला सवाल यह कि क्या हमें वास्तव में इसकी जरूरत है? एक ऐसी तकनीक, जिस पर आरोप हैं कि वह सैकड़ों क्षेत्रों में दखल देते हुए लाखों रोजगार खा जाएगी, आबादी बहुल देश में तभी कोई अर्थ रखती है, जब उससे नई किस्म के दूसरे लाखों रोजगार पैदा हों। अभी इसका सटीक उत्तर मिलने में वक्त है, क्योंकि चैटजीपीटी के नए अवतार में सामने आए अभी इसे महज सवा तीन साल बीते हैं।

दूसरा सवाल है कि क्या भारत को इसे आजमाने की तेजी दिखानी चाहिए? तकनीकें अपनाने व उन्हें समझने को लेकर दुनिया का जो मौजूदा ट्रेंड है, उसके मद्देनजर इस प्रश्न का उत्तर हां है। लेकिन तीसरा अहम सवाल यह है कि आखिर भारत के लोग, सरकार और तमाम संगठन क्या इसमें कोई नवाचार कर पा रहे हैं? इस सवाल का उत्तर दो टुकड़ों में मिलता है। पहला, यदि नवाचार का तंत्र विकसित करने और माहौल बनाने की बात है, तो सरकार और शिक्षण संस्थानों से लेकर तमाम कंपनियां इसमें पूरी ताकत से लग गए हैं- जो सार्थक बात है। लेकिन उत्तर का दूसरा हिस्सा हमें दुविधा में डालता है। यहां यह तथ्य सामने आता है कि तकनीकी नवाचार से जुड़े ज्यादातर मामलों में हमारा देश कॉपी-पेस्ट शैली वाले नवाचार में फंस गया है। हमारे ही आसपास तमाम लोग और कंपनियां गूगल जैसा सर्च इंजन, फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सऐप जैसा सोशल मीडिया मंच या फिर उन्हीं आविष्कारों को दोहराने का प्रयास करते दिखाई देते हैं, जिनका ईजाद अमेरिका, चीन, जापान, कोरिया में हुआ और हम उनकी नकल तैयार करने लगते हैं। सवाल है कि क्या यह नवाचार है। तो इसका उत्तर है कि यह हमें लकीर का फकीर साबित करता है। हम लीक से हटकर कोई ऐसा नया आविष्कार नहीं कर रहे , जो दुनिया को झकझोर दे और दूसरे देशों को वह भारतीय आविष्कार अपनाने-खरीदने को प्रेरित कर दे।

खासतौर से एआई की बात करें, तो देश में इसे अपनाने को लेकर एक हड़बड़ी भी दिखाई दे रही है जिस कारण गड़बड़ी हो रही है और दुष्प्रभाव पैदा हो रहे हैं- खासकर शिक्षा जगत में। विज्ञान और चिकित्सा जगत में एक नियम बहुत प्रचलित है कि कोई नया ईजाद आमजन के सामने तब तक नहीं लाया जाना चाहिए, जब तक उसके दुष्प्रभावों का सटीक आकलन न हो जाए। फार्मा उद्योग के लिए तो इसके लिए कड़े मानक हैं कि किसी दवा या टीके को बनाने के बाद लंबे समय तक उसका मानव चिकित्सा परीक्षण (ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल) होना चाहिए (कोविड-19 महामारी की जटिल व आपदाकारी स्थितियों को छोड़कर)।

दुनिया के तकनीकी और औद्योगिक विकास के क्रम में भी कोई मशीन या आविष्कार वर्षों या कई बार दशकों के प्रयोगों-परीक्षण के बाद इस स्थिति में आया है कि आमजन उसका इस्तेमाल कर सकें। लेकिन एआई को अपनाने के संबंध में भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक किस्म का उतावलापन दिखाई दे रहा है। इंटरनेट व तकनीक से जुड़ी कंपनियों को इसमें मुनाफा नजर आ रहा है लेकिन सरकारों पर इसका पर्याप्त दबाव दिखाई दे रहा है कि वे इसे अपनाएं और इसके लायक तंत्र व माहौल पैदा करें।

इसमें संदेह नहीं है कि उद्योग जगत और इंटरनेट से संचालित अर्थव्यवस्था में इस चमत्कारी तकनीक (एआई) के बेशुमार फायदे हैं। इस नजरिए से वहां एआई टूल्स और सॉफ्टवेयर अपनाना समझदारी हो सकता है। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में एआई को लेकर तेजी से बन रही स्वीकारोक्ति किसी दबाव का नतीजा ज्यादा लगती है, बजाय इसकी जरूरत के।

स्वास्थ्य समाचार

40 की उम्र के बाद आंखें होने लगती हैं कमजोर, ऐसे रखें अपनी आंखों का ख्याल

खूबसूरत और रंगीन दुनिया को देखने के लिए आंखों का स्वस्थ रहना बहुत ही जरूरी है। हर एक छोटी से छोटी चीज को देखने के लिए आंखों की दृष्टि सुरक्षित रहना जरूरी है। आंखों शरीर का बेहद संवेदनशील होता है, ऐसे में इसका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। इन दिनों गलत खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से कम उम्र में ही आंखों से जुड़ी परेशानी होने लगती है। अधिकतर 40 की उम्र तक आते-आते लोगों की आंखों में चश्मा चढ़ जाता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी आंखों में चश्मा न चढ़े, तो इसके लिए आपनी आंखों का विशेष ध्यान रखें। खासतौर पर 40 की उम्र के बाद आंखों को सुरक्षित रखने का प्रयास करें। उम्र बढ़ने के साथ-साथत शारीरिक और मानसिक रूप से काफी बदलाव होने लगता है। इन बदलाव में आंखों की दृष्टि भी शामिल है। 40 के बाद आप अपनी आंखों को निम्न तरह से सुरक्षित रख सकते हैं।

नियमित रूप से कराएं चेकअप : बढ़ती उम्र के दौरान आंखों की नियमित रूप से चेकअप कराएं। कम से कम साल में 1 बार आई टेस्ट जरूर कराएं। ताकि आंखों में होने वाली समस्याओं का पहले से पता चल सके।

डाइट में भरपूर रूप से लें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिंस : आंखों को सुरक्षित रखने के लिए सिर्फ विटामिन ए ही नहीं, बल्कि कई अन्य तरह के पोषक कत्वों की भी जरूरत होती है। स्वस्थ आंखों के लिए संतुलित आहार जैसे- ओमेगा 3 एस, विटामिन ई, विटामिन सी, जिंक जैसे विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट की आवश्यकता होती है। यह आपकी दृष्टि को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही यह आंखों के सेल्स को स्वस्थ रखने में असदार होते हैं। खासतौर पर मोतियाबिंद जैसी गंभीर समस्याओं को रोकने में असरदार हो सकता है।

सही आईवियर से आंखों को रखें सुरक्षित : आंखों को सुरक्षित रखना बहुत ही जरूरी होता है। लंबे समय तक आंखों को स्वस्थ रकने के लिए हर दिन आंखों का ख्याल रखना जरूरी होता है। खासतौर पर सूर्य की रोशनी में बाहर जाने के दौरान धूप का चश्मा जरूर पहनें। ताकि हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों से आंखों को सुरक्षित रखा जा सके। अगर आप लैपटॉप या डेस्कटॉप पर अधिक काम करते हैं, तो एंटी-क्लियर चश्मा पहनें। ताकि आपकी आंखों सुरक्षित रह सके।

अच्छी स्क्रीन हैबिट्स डालें : अगर आप ज्यादा टीबी, मोबाइल या लैपटॉप पर काम करेत हैं, तो यह आपकी आंखों को खराब कर सकती है। दरअसल, हर तरह के इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी आंखों को प्रभावित करती हैं।

इससे आपकी आंखों की रोशनी खराब हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि अपनी स्क्रीन हैबिट्स को कम करें।

नियमित रूप से एक्सरसाइज करें :आंखों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित रूप से एरोबिक एक्सरसाइज करें। इससे आंखों में ऑक्सीजन की आपूर्ति को बढ़ाता सकता है। साथ ही यह आपके अंत:स्रावी दबाव को कम करता है। एरोबिक एक्सरसाइज करने से मोतियाबिंद, एएमडी और ग्लूकोमा जैसी कई आंखों से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

सुबह नाश्ते में इन तरीकों से खाएं केला, दूर होंगी कई समस्याएं

केले को एक संपूर्ण आहार माना जाता है। यही वजह है कि अधिकतर लोग भूख लगने पर केला खाना पसंद करते हैं। वैसे तो केले को रात के अलावा किसी भी समय पर खाया जा सकता है। लेकिन अगर आप सुबह के समय केला खाएंगे, तो आपको सभी पोषक तत्व आसानी से मिल जाएंगे। केला पोटेशियम, फाइबर, मैग्नीशियम, विटामिन ए, विटामिन सी और फास्फोरस होता है। ऐसे में खाली पेट केला खाना काफी फायदेमंद हो सकता है। आप सुबह खाली पेट घी, शहद के साथ केले का सेवन कर सकते हैं। इससे आपकी सेहत को कई लाभ मिलेंगे।

केला और घी

केला और घी दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आप सुबह खाली पेट इन दोनों को एक साथ मिलाकर खा सकते हैं। केला और घी का कॉम्बिनेशन दुबले-पतले और कमजोर लोगों के लिए काफी लाभकारी होता है। इसके लिए आप दो केले लें, इन्हें 1 चम्मच देसी घी के साथ मैश कर लें। अब इसे खाली पेट खाएं। इससे आपका वजन बढ़ेगा, पाचन तंत्र में भी सुधार होगा। केला और घी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

केला और शहद

नाश्ते में केला और शहद खाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। केला और शहद दोनों पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। आप सुबह खाली पेट केला और शहद को एक साथ

मिलाकर ले सकते हैं। केले को शहद के साथ खाने से आपको वजन बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। खाली पेट केला और शहद खाने से कब्ज से भी बचाव होता है। इसलिए आप चाहें तो सुबह नाश्ते में केला और शहद के मिश्रण को ले सकते हैं। केला और शहद काफी फायदेमंद होता है।

केला और दूध

केला और दूध अपने आप में ही संपूर्ण आहार है। जब इन दोनों को एक साथ मिलाकर खाया जाता है, तो पोषक तत्व कई गुणा बढ़ जाते हैं। आप सुबह खाली पेट केला और दूध का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए आप एक गिलास दूध में 2 केले को ग्राइंड कर लें। अब इस शेक को नाश्ते में लें। केला और दूध का कॉम्बिनेशन हड्डियों को मजबूत बनाता है। जोड़ों, मांसपेशियों के दर्द से छुटकारा दिलाता है। दूध और केला खाने से शरीर मजबूत बनता है, बॉडी पूरे दिन ऊर्जावान बनी रहती है।

ब्रेन पावर बढ़ाने के लिए ट्राई करें यह योगासन

ब्रेन हमारे दिमाग का सबसे अहम हिस्सा है जो नरम टिश्यूज से मिलकर बना है। हमारे शरीर की हर गतिविधि ब्रेन से ही नियंत्रित होती है और हमारा शरीर ब्रेन की वजह से ही एक्टिव रह पाता है। शरीर के सब कार्य सुचारू रूप से चलते रहें, इसके लिए बहुत जरूरी है कि हमारा ब्रेन स्वस्थ रहे। ब्रेनके स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है एक हेल्दी लाइफस्टाइल, समय से खाना-पीना व सोना और इन सबसे ज्यादा जरूरी है ब्रेन की एक्सरसाइज। दरअसल ब्रेन यानी दिमाग की शक्ति को बढ़ाने के लिए योग काफी मदद कर सकता है। योग उन फैक्टर्स को ठीक करने में मदद करता है जो हमारे दिमाग के लिए हानिकारक हो सकते हैं और जिनसे हमारे दिमाग में मानसिक चिंता पैदा होती हैं। निम्न योगासनों द्वारा दिमागी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है।

वज्रासन : इस योग आसन को घुटने टेक कर किया जाता है। इस योग को लंबी सांस लेकर किया जाता है। इस आसन को करने से आपका शरीर मजबूत बनता है। इस आसन को और आसन से अलग खाना खाने के बाद किया जाता है। इस योग मुद्रा को कम से कम 10 मिनट तक करना चाहिए।

फायदे : इस आसन को करने से आपका पाचन तंत्र मजबुत होता है। इस आसन को हर रोज करने से कब्ज को दूर किया जा सकता है। इसे करने से पेट की सभी प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। इस योग को करने से आपके शरीर का ब्लड सकुललेशन बढता है। इस योग की मुद्रा आपके शरीर को आराम करने में मदद करती है।

पश्चिमोत्तानासन : इस आसन को करना बहुत ही आसान है। इस आसन को आगे झुक कर किया जाता है। जिससे आपके शरीर में खिंचाव आता है। इस आसन को सुबह खाली पेट किया जाता है। इस योग की मुद्रा को एक मिनट तक खिंचाव के साथ किया जाता है।

फायदे : इस आसन को करने से आपके कंधो मे खिंचाव आता है। आपकी किडनी मजबुत होती हैं। इस आसन को करने से आपका मन शान्त होता है। जिससे आपके दिमाग की शक्ति बढ़ाने में मदद मिलती है। हमारे शरीर के वजन को कम करने में भी यह आसन सहायक है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन : इस योगासन का नाम ऋषि मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है। इस आसन को रीढ की हड्डी को मोड़कर बारह अलग अलग प्रकार के आसनों को मिलाकर किया जाता है। इस आसन को खाली पेट किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

वृष

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे। सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे। सश्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन

रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे। आय से व्यय अधिक होंगे।

कर्क

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा। यात्रा आज नहीं करें।

सिंह

फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग हैं। व्यवसाय में अड़चनें आएंगी।

तुला

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें।

धनु

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा। व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा।

मकर

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें। व्यापार में इच्छित लाभ होगा। परिवार की मदद मिलेगी।

कुंभ

पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मीन

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

आयुर्वेद शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित एक समग्र जीवन पद्धति : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को चूरू जिला मुख्यालय पर प्रतिभा नगर स्थित राजकीय एकीकृत जिला आयुष चिकित्सालय में आयोजित किए जा रहे अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का अवलोकन किया तथा आयुर्वेद चिकित्सालय में व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए चिकित्सा अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोग उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित एक समग्र जीवन पद्धति है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक आधारों के माध्यम से रोगों की रोकथाम एवं उपचार किया जाता है। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं सुव्यवस्थित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति विश्व की सबसे प्राचीन एवं लाभकारी चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। इसलिए विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न उपचार पद्धतियों एवं सुविधाओं के बारे में आमजन को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए, ताकि अधिकाधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। इसी के साथ आयुष विभाग की योजनाओं और उपचार पद्धतियों का व्यापक प्रचार.प्रसार कर आमजन को लाभान्वित करें। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने चिकित्सालय में महिला व पुरूष वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, पंचकर्म इकाई का निरीक्षण किया तथा मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। शिविर के दौरान लाभार्थी राजगढ़ के राजेश से संवाद करते हुए जिला कलक्टर ने शिविर की व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। लाभार्थी राजेश ने शिविर व्यवस्थाओं के प्रति संतुष्टि जाहिर करते हुए बताया कि शिविर में इलाज नि:शुल्क है तथा रहने व भोजन की व्यवस्था भी नि:शुल्क की गई है। इसी के साथ उनके साथ आए परिजनों के लिए भी भोजन आदि की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार द्वारा सराहनीय पहल की गई है।

आमजन को अधिक से अधिक शिविर का लाभ उठाना चाहिए। आयुर्वेद विभाग के डॉ सत्यवीर सिंह ने बताया कि शिविर 20 फरवरी, 2026 तक आयोजित किया जाएगा तथा आमजन को आयुष पद्धति से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। शिविर में क्षार सूत्र विधि से पाईल्स अर्श, भगन्दर सहित मल द्वार के रोगों की शल्य चिकित्सा

द्वारा नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है तथा भोजन व आवास की व्यवस्था भी नि:शुल्क की गई है। इसी के साथ शिविर में अन्य रोगों के भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जा रहा है और आमजन को पंचकर्म, अग्निकर्म, स्त्री रोग तथा सामान्य चिकित्सा से भी लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर शिविर प्रभारी डॉ मनीराम शर्मा, डॉ ओमप्रकाश चॉयल, डॉ राम कृष्ण शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

भद्रा और चंद्र ग्रहण का योग

होली पर रहेगी भद्रा भूलोक और सिंह राशि में

3 मार्च को शाम 6 बजे बाद दिखेगा ब्लड मून

निसं

जयपुर (नवयत्न)। इस वर्ष होली पर्व पर भद्रा और खग्रास चंद्र ग्रहण का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसको लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है। 2 मार्च की रात होलिका दहन किया जाएगा, जबकि अगले दिन 3 मार्च को धुलंडी के दिन खग्रास चंद्र ग्रहण रहेगा। ग्रहण से 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाएगा, जिसमें शुभ कार्य और मंदिर दर्शन वर्जित माने जाते हैं। सूतक काल के दौरान आमतौर पर शुभ कार्यों पर रोक मानी जाती है। पंडित राजेश शर्मा के अनुसार 2 मार्च को शाम 5:55 बजे भद्रा काल प्रारंभ होगा, जो 3 मार्च सुबह 4:28 बजे तक रहेगा। इस वर्ष भद्रा भूलोक में और सिंह राशि में मानी जा रही है, इसलिए प्रदोष काल में होलिका पूजन और दहन शास्त्र सम्मत और श्रेष्ठ रहेगा। उन्होंने बताया कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर होलिका पूजन का विशेष महत्व होता है। भद्रा काल में दान-पुण्य भी किया जा सकता है। ग्रहण काल साधना के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। इस दौरान इष्ट देव या गुरु मंत्र की माला जाप करने से मंत्र सिद्धि का लाभ मिलता है। पंडित शर्मा के अनुसार भद्रा हिंदू पंचांग में वर्णित एक विशेष अशुभ काल है। इसे विष्टिकरण भी कहा जाता है। जब पंचांग में भद्रा लगती है, तब इसे शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है। भद्रा चंद्रमा की विशेष स्थिति में लगने वाला समय होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भद्रा शनिदेव की बहन मानी जाती हैं और इसका स्वभाव उग्र बताया गया है। शुक्ल या कृष्ण पक्ष की कुछ तिथियों में भद्रा का समय कभी दिन में, कभी रात में पड़ता है। दिन की भद्रा अधिक अशुभ मानी जाती है, जबकि रात की भद्रा कुछ कार्यों में दोषपूर्ण नहीं मानी जाती। पुराणों में उल्लेख है कि भद्रा जब पृथ्वी पर होती है, तब शुभ कार्यों में बाधा आती है। पंचांग देखकर भद्रा काल से बचने की परंपरा रही है।

शर्मा के अनुसार धुलंडी के दिन 3 मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण दोपहर 3:19 बजे से शाम 6:47 बजे तक रहेगा। यह उदित चंद्र ग्रहण होगा, जिसमें लगभग 17 मिनट तक पूर्ण खग्रास स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान शाम 6 बजे बाद चंद्रमा लाल रंग का दिखेगा। खगोलीय भाषा में इसे ब्लड मून कहा जाता है।

चंग व धमाल पर देर रात तक थिरके आमजन

निसं

रींगस (नवयत्न)। कस्बे में फाल्गुनी बयार बह रही है। देर रात तक लोग चंग पर धमाल का आनन्द उठा रहे है। शहर के युवाओं का शिव अघोरी मण्डल की ओर से धमाल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। रामानन्द पाठशाला शिव मंदिर तथा माहेश्वरी धर्मशाला के पास स्थित शिव मंदिर में कार्यक्रम आयोजित हुए। स्थानीय कलाकार अनेक धमाल गाकर लोगो को झूमने पर मजबूर कर रहे है। फागण आयो रे घडवादे म्हारा श्याम बाजडती बंगडी, और रंग दे रे तथा शिव थारा नैना में। जैसे ही चंग की थाप पर धमाल का कार्यक्रम शुरू हुआ लोग अपने आप को झुमने से रोक नहीं पाये। कालाकारों तथा स्थानीय निवासियों ने धमाल का जोरदार रंग जमाया। धमाल व चग की आवाज को सुनने के लिए आस पास के मौहल्ले के लोग भी मौके पर जमा हो गये। इसके बाद देर रात तक धमाल का रस लिया। इस दौरान महावीर जोशी, गिरधारी बाहेती, दिनेश, श्रवण सैन, प्रमोद पारीक सहित अनेक लोगों ने धमाल के गीत प्रस्तुत किये।

8 वें वेतन आयोग के नाम पर साइबर ठग कर रहे ठगी

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाने के लिए साइबर ठगों ने अब 8 वें वेतन आयोग का सहारा लेना शुरू कर दिया है। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में राज्य साइबर पुलिस ने एक विशेष एडवाइजरी जारी कर आमजन और विशेषकर सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने को कहा है। ठग व्हाट्सएप के जरिए सैलरी कैलकुलेटर का लालच देकर लोगों की जमा पूंजी पर डाका डाल रहे हैं।

कैसे बुना जाता है ठगी का जाल

डीजीपी अग्रवाल ने बताया कि साइबर अपराधी सरकारी कर्मचारियों के व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर दावा करते हैं कि नए वेतन आयोग के तहत उनकी सैलरी में भारी बढ़ोतरी होने वाली है। मैसेज में बढ़ी हुई सैलरी चेक करने के लिए एक सैलरी कैलकुलेटर का लिंक दिया जाता है। इस लिंक के जरिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने का दबाव बनाया जाता है। जैसे ही कोई कर्मचारी इस फाइल को इंस्टॉल करता है, उसके मोबाइल का पूरा कंट्रोल गुप्त रूप से ठगों के पास चला जाता है। इसके बाद ठग मोबाइल से ओटीपीए नेट बैंकिंग क्रेडेंशियल्स और निजी जानकारी चुराकर बैंक खाते से पैसे उड़ा देते हैं। डीजीपी अग्रवाल ने बताया कि सरकार या कोई भी आधिकारिक विभाग वेतन संबंधी गणना के लिए कभी भी व्हाट्सएप पर एपीके फाइल या सॉफ्टवेयर नहीं भेजता है। अनवेरिफाइड सोर्स से ऐप डाउनलोड करना अपने बैंक की चाबी चोरों को देने जैसा है। वेतन या पेंशन की कोई भी जानकारी केवल आधिकारिक सरकारी पोर्टल पर ही उपलब्ध होती है। डीजीपी अग्रवाल ने बताया कि किसी भी अनजान नंबर से आए लुभावने मैसेज या फाइल पर क्लिक न करें। ऐसे मैसेज मिलने पर फाइल डाउनलोड करने के बजाय मैसेज को तुरंत डिलीट करें और उस नंबर को रिपोर्ट व ब्लॉक करें। केवल सरकारी वेबसाइटों पर ही अपनी सर्विस डिटेल्स चेक करें। कभी भी गूगल प्ले स्टोर के बाहर से कोई थर्ड-पार्टी ऐप इंस्टॉल न करें।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना अब 31 मार्च तक

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। भूमि विकास बैंक के अवधिपार ऋणी सदस्यों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से घोषित मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26 के अन्तर्गत झुंझुनू जिले में कार्यरत भूमि विकास बैंक के 299 सदस्य योजना के पात्र है जिसमें 14 जनवरी 2026 तक पात्र 153 ऋणी सदस्यों ने राशि रू. 261.37 लाख जमा करवाकर रू. 298.45 लाख की अवधिपार ब्याज की छुट प्राप्त की है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना की अवधि 31-03-2026 तक बढ़ा दी गई हैं। 31 दिसम्बर 2025 तक आंशिक राशि जमा कराये जा चुके पात्र ऋणी सदस्यों के लिए शेष राशि जमा करवाने तथा अभी तक पूर्णत: वंचित पात्र ऋणी सदस्यों के लिए योजना की अंतिम तिथि 31-03-2026 तक बढाई गयी हैं। योजना की शेष अवधि में पात्र ऋणी सदस्य जमा योग्य राशि बैंक में जमा करवाकर ब्याज में राहत प्राप्त कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए बैंक के प्रधान कार्यालय एवं संबंधित शाखा में संपर्क किया जा सकता हैं।

बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग, सीकर राजेन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार ब्लॉक पलसाना में राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला अधिकारिता विभाग एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाना तथा समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। ब्लॉक पर्यवेक्षक निशा मौर्य ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करना तथा उनकी शिक्षा, संरक्षण, स्वास्थ्य एवं सम्मान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान नवप्रसूता माताओं को बेबी किट, खैस, फल एवं मिठाई वितरित की गई। साथ ही माताओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग से डॉ. राकेश, आशा सहयोगिनी, एएनएम एवं ग्राम साथिन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बेटी अभिशाप नहीं समाज की धरोहर एवं भविष्य की मजबूत नींव है। का संदेश देते हुए सभी से बेटियों को सम्मान, अवसर एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया।

होलाष्टक की शुरुआत 24 से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक की शुरुआत 24 फरवरी से होगी। इसका समापन 3 मार्च को होलिका दहन के साथ होगा। इस दिन ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा के अनुसार होलाष्टक के आठ दिनों में सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहु सहित सभी ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं। इस कारण इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन सहित अन्य मांगलिक कार्य करना शुभ नहीं माना जाता। इन दिनों नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से बचने के लिए हवन-पूजन, भगवान का स्मरण तथा धार्मिक अनुष्ठान करना विशेष लाभकारी होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार होलाष्टक के दौरान जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। इस अवधि में भगवान विष्णु, भगवान शिव, हनुमानजी एवं भक्त प्रह्लाद की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। ओम नमो भगवते वासुदेवाय तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप मानसिक शांति, भय से मुक्ति और ईश्वर की कृपा प्रदान करने वाला माना गया है। विधि-विधान से पूजा-अर्चना और दान करने से सुख-समृद्धि एवं कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा में होगा होलिका दहन

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार होलिका दहन के लिए भद्रा रहित एवं प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि सर्वोतम मानी जाती है। यदि ऐसी स्थिति उपलब्ध न हो और भद्रा मध्य रात्रि से पूर्व समाप्त हो जाए तो भद्रा समाप्ति के बाद प्रदोष काल में होलिका दहन करना शास्त्रसम्मत माना गया है।

शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया

निसं

रींगस (नवयत्न)। कस्बे में स्थित प्राचीन श्याम मंदिर में गुरुवार को महाराष्ट्र से श्यामसर दल रींगस के प्राचीन श्याम मंदिर में श्याम बाबा के दर्शन करने के पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया। महाराष्ट्र से नितिन पाटिल ने बताया कि महाराष्ट्र में आज के दिन दिवाली की तरह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया जाता है लेकिन पहली बार रींगस के प्राचीन श्याम मंदिर में पहुंचकर जन्मोत्सव मनाया। प्राचीन श्याम मंदिर पुजारी विक्रम सिंह मानदास, राहुल सिंह चौहान, गजेंद्र सिंह चौहान, युवराज सिंह चौहान, निवृत्तमान पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान महाराष्ट्र के आशीष ठाकुर, सौरभ राजपूत, सागर पाटिल, पिंटू राजपूत, अभिनव चौपड़ा, विकास बघेल, सौरभ बगाड़े, भारत चौपड़ा, अशोक राव मौजूद रहे।

नशामुक्ति के लिए जागृति कार्यक्रम आयोजित

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय काला बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में बाल विवाह रोकने हेतु जागरूकता अभियान एवं नशीली दवाओं को रोकने के प्रति जागरूकता और स्वास्थ्य मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएलवी मयंक त्रिवेदी ने कहा युवा हमारे देश की रीढ़ की हड्डी होती है और जब यह गलत दिशा में जाते हैं, तो केवल समाज को ही नहीं पूरे देश को इसका युगों युगांतर तक नुकसान उठाना पड़ता है। बच्चों को छत्रपति शिवाजी की प्रेरक कहानी सुनाकर बच्चों के मन में आत्मविश्वास बढ़ाया। इसी प्रकार स्पेशल अवेयरनेस प्रोग्राम ओन प्रिजनर्स राइट्स के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रधानाचार्य अनिल कुमार सैनिक, शिवशरण, उप प्रधानाचार्य अर्चना सैनी, मीनाक्षी सोनी सहित स्टाफसदस्यगण मौजूद रहे।

उपनिदेशक कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार द्वारा गुरूवार को उपनिदेशक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक डॉ. सुनील कुमार जांगिड़ सहित कार्यालय के समस्त कार्मिक उपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की तथा प्रगति में तेजी लाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बिजली एवं पेयजल सुविधा विकसित करने के लिए कहा। साथ ही कार्यालय कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

बैठक कल

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सीकर मुकुल शर्मा ने बताया कि निर्वाचन विभाग जयपुर के निर्देशानुसार विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी से संशोधित कर 21 फरवरी को किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि अंतिम प्रकाशन से संबंधित आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा करने के लिए 21 फरवरी को सुबह 11 बजे जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की जाएगी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने बाल वाहिनियों की नियमित जांच करने के निर्देश देते हुए शिक्षा एवं चिकित्सा विभाग को बाल वाहिनियों के चालकों की नेत्र जांच के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। साथ ही पुलिस विभाग के अधिकारियों को ई-डीएआर एप्लीकेशन पर सभी सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने झुंझुनूं शहर में उपयुक्त पार्किंग स्थलों की पहचान करने तथा शहरी निकायों के अधिकारियों को मुख्य सड़कों से नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा ताकि यातायात सुचारू और सुरक्षित बनाया जा सके। बैठक में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सतीश चंद्र गुप्ता, सीडीईओ अशोक शर्मा सहित पुलिस, परिवहन, शहरी निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डिग्गी में डूबने से 47 वर्षीय व्यक्ति की मौत

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। जिले के कस्बा राजलदेसर के 47 वर्षीय व्यक्ति पानी का लेवल देखने गए की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम आबड़सर निवासी नंदसिंह ने रिपोर्ट दी कि ट्यूबवेल से डिग्गी में वे लोग पानी भर रहे थे। डिग्गी में पानी का लेवल चैक करने के लिए उसका 47 वर्षीय पुत्र छैलूसिंह गया था। काफी देर तक जब छैलूसिंह नहीं लौटा, तो जाकर देखा। डिग्गी में छैलूसिंह दिखाई दिया, जिसे बाहर निकालकर राजकीय जालान जिला अस्पताल लेकर आए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर लाश पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया।

राज्य मंत्रीचौधरी ने अमेजन की एआई स्किल्स वैन को हरी झंडी दिखाई

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारत के कौशल विकास के विजन और एआई एजुकेशन तक सभी की पहुँच बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धिता को मजबूत करते हुए, अमेजन ने अपनी थिंक बिग पहल के तहत दो एआई स्किल्स वैन को रवाना किया। ये मोबाइल लर्निंग लैब हैं जिन्हें सरकारी स्कूलों के छात्रों और उन समुदायों तक सीधे बेसिक क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एजुकेशन पहुँचाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिनकी नई टेक्नोलॉजी रिसोर्सेज तक सीमित पहुँच है। इन वैन्स को नई दिल्ली में कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर अमेजन के चीफ ग्लोबल अफेयर्स और लीगल ऑफिसर डेविड ज़ापोल्स्की भी मौजूद थे। मंत्री जयन्त चौधरी ने कहा, यह पहल हमारे राष्ट्रीय अभियानों जैसे स्किल इंडिया और एआई मिशन का समर्थन करती है, भविष्य के अनुरूप डिजिटल कौशलों तक पहुँच का विस्तार करते हुए यह सुनिश्चित करती है कि राष्ट्र के लिए एक स्किल्ड, इनक्लूसिव और इनोवेशन-ड्रिवन वर्कफोर्स का निर्माण करते समय कोई भी छात्र पीछे न रह जाए। अमेजन के चीफ ग्लोबल अफेयर्स और लीगल ऑफसिर, डेविड ज़ापोल्स्की ने कहा, एआई स्किल्स वैन्स जैसी पहलों के जरिए, हमारा मकसद स्टूडेंट लर्निंग को टीचर कैपेसिटी बिल्डिंग के साथ जोड़ना है।

जवाहर कला केंद्र में लोक कलाओं का संगम आज से

जयपुर (नवयत्न)। जवाहर कला केन्द्र एवं पर्यटन, कला संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार की सहभागिता में राजस्थान के लोक रंगों का सबसे बड़ा उत्सव लोक कला संगम 2026: राजस्थान रै लोकरंग रो उजास जवाहर कला केन्द्र जयपुर के शिल्प ग्राम एवं कृष्णायन सभागार आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन 20 से 22 फरवरी 2026 को प्रात: 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा। राजस्थान के ढूंढाड़, शेखावाटी एवं ब्रज क्षेत्र के राजस्थानी 400 लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां एक साथ एक मंच पर देख सकेंगे। जिसमें बम रसिया, चकरी नृत्य, लांगुरिया, भपंग वादन, कठपुतली चंग धमाल, भवाई, तेरहताली, जयपुर का तमाशा आदि का जादू चलेगा। मेले के रूप में आयोजित इस भव्य आयोजन में राजस्थानी मांडने, रंगोली, कठपुतली, कच्ची घोड़ी, बहुरुपिया आदि लोक कलाकारी का भी दर्शक आनन्द उठा सकेंगे। इसमें प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक लोक संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा दो सत्रों में बौद्धिक विमर्श संवाद कार्यक्रम श्लोक चौपाल भी आयोजित किया जाएगा। इसमें हस्तशिल्प और कला की भव्य प्रदर्शनी भी लगेंगी। तीनों दिवसों में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सरकार्यवाह डॉ. दत्तात्रेय होसबोले और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रहेंगे। प्रो. डॉ मधु भट्ट तैलंग- अध्यक्ष, संस्कार भारती जयपुर प्रांत, बनवारी लाल चेजारा, महामंत्री, संस्कार भारती व महावीर भारती, सहमहामंत्री संस्कार भारती एवं प्रबन्ध प्रमुख, आयोजन ने बताया कि प्रतिदिन सांस्कृतिक महफिल सजेंगी जिसमें इन लोक कलाओं के गायन वादन एवं नृत्य विधाओं का दर्शक भरपूर लुत्फ उठा पायेंगे। राजस्थानी भोजन के भी आनन्द के साथ अपनी जड़ों और राजस्थान की लोक-परम्पराओं से जुड़ने का यह बेहतरीन अवसर होगा।

पर्यटकों के लिए खास है मसूरी की यह बेहतरीन जगह

दिल्ली के सबसे पास के हिल स्टेशन में से एक है मसूरी, जिसे हर कोई पहाड़ियों की रानी के नाम से जानता है। ये जगह उत्तराखंड में है, जो बच्चों, कपल्स और बड़ों के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है। यहां पर आपको घूमने के लिए बहुत सारी जगह तो नहीं हैं लेकिन जो भी हैं वह काफी खूबसूरत और मन को खुश कर देने वाला है।

गन हिल पर करें केबल कार की सवारी

गन हिल समुद्र तल से 6,800 फीट की ऊंचाई पर है और मसूरी की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है। खूबसूरत नजारों को एंजॉय करने के लिए आपको इस शहर में जरूर जाना चाहिए। माल रोड से गन हिल तक केबल की सवारी जरूर करें।

माल रोड पर घूमना और फेमस मोमोज को चखना

पहाड़ी इलाकों पर आपको माल रोड मिलेंगे। मसूरी का माल रोड आपका दिल जीत लेगा। अगर आप इस बाजार का मजा लेना चाहते हैं तो शाम के समय यहां निकलें और चारों ओर घूमें। सड़क पर कई दुकानें और रेस्तरां हैं। मसूरी में सबसे अच्छे मोमोज का स्वाद भी जरूर चखें।

केम्टी फॉल में नहाने का मजा

गर्मी के मौसम में पर्यटकों को केम्प्टी फॉल्स के तल पर नहाना बहुत पसंद आता है। इसमें सैकड़ों पर्यटकों के एक साथ जाने की व्यवस्था है। स्विमिंग पूल में चेंजिंग रूम, लॉकर और स्विमवीयर किराए पर लेने के विकल्प हैं। आप यहां जाएं तो अपने एक्सट्रा कपड़े साथ जरूर लेकर जाएं।

क्लाउड्स एंड की सैर

क्लाउड्स एंड मसूरी के भौगोलिक अंत को दर्शाता है। ओक और देवदार के जंगल से घिरा हुआ क्लाउड्स एंड मसूरी के मुख्य शहर से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर है और यह पहाड़ियों और आरामदेह वातावरण के खूबसूरत नजारों के लिए जाना जाता है।

पर्यटक शिमला-मनाली नहीं, साउथ के इन हिल स्टेशन की जरूर करें सैर

हिल स्टेशन जाने की बात आती है तो अक्सर लोग नॉर्थ की जगहों पर जाना पसंद करते हैं। भारत के दक्षिणी भाग में कई हिल स्टेश शामिल हैं। जहां पर आप बेहतरीन समय बिता सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियां और खूबसूरत नजारे इन स्थलों को उन लोगों के लिए बेहद आकर्षक बनाते हैं जो नैचर से प्यार करते हैं और शहरी भीड़ से दूर एकांत में समय बिताना चाहते हैं।

कोडइकनाल : तमिलनाडु का कोडाइकनाल खूब फेमस हिल स्टेशनों में से एक है। यह दक्षिण भारत के सबसे ठंडे हिल स्टेशनों में से एक है और झरनों, हरी घाटियों, शांत झीलों और तेज ग्रेनाइट चट्टानों से भरा हुआ है। यह हनीमून मनाने वालों के लिए जानी-मानी जगहों में से एक है। कोडइझील, पिलर रॉक्स, कोकर्स वॉक, बेयर शोला फॉल्स, डेविल्स किचन, थलाईयार फॉल्स और डॉल्फिन नोज जैसे कुछ बेहतरीन जगह हैं।

वगामों : हरी-भरी पहाड़ियां, घाटियां और नाले कई लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह भीड़ से बचने के लिए एक बेहतरीन जगह है। जब आप यहां हों, तो घाटियों और झरनों के खूबसूरत नजारों का मजा जरूर लें। यहां पर कुरीसुमाला आश्रम, इंडो-स्विस प्रोजेक्ट डेयरी फार्म, वागामन मीडोज, पाइन फॉरेस्ट, मूप्पनपारा और मुरुगन हिल जैसी जगहों को जरूर देखें।

यरकौड : यरकौड का छोटा लेकिन आकर्षक हिल स्टेशन पूर्वी घाट में शेवरॉय पहाड़ियों में बसा है। यह इन दिनों एक फेमस पर्यटन स्थल बन गया है, कॉफी और मसाले के बागानों, शांत यरकौड झील का लुत्फ जरूर उठाएं।

मुन्नार : केरल के इडुक्की जिले में स्थित यह दक्षिण भारत के सबसे ऊंचे हिल स्टेशनों में से एक है। मुन्नार में पैदल यात्रियों के लिए आकर्षण होने के अलावा, लक्कम झरने और एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान भी हैं।

जयपुर को 'पिंक सिटी' जोधपुर को 'ब्लू सिटी', जैसे शहरों को इन नामों से बुलाने की कहानी है बड़ी दिलचस्प

हम जिस भी शहर में घूमने के लिए जाते हैं, उससे जुड़ा इतिहास और परंपरा हम सभी को देखने को मिल ही जाता है। कभी कोई शहर अपने इतिहास को लेकर फेमस होता है, तो कोई अपनी किसी और चीज की वजह से लोकप्रिय माना जाता है। वैसे आपने कभी सोचा है कि, जयपुर को पिंक सिटी क्यों कहते हैं? तो वहीं जोधपुर को ब्लू सिटी क्यों कहा जाता है?

ब्लू सिटी, सन सिटी-जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर के सबसे पुराने हिस्सों में हर घर को नीले रंग से रंगा गया है। जैसे-जैसे आप इस शहर की हर गली में बढ़ते जाएंगे, वैसे-वैसे आपको हर घर, दूकान नीले रंग में रंगी दिखाई देगी। यहां के लोगों का मानना है कि मानना है कि नीला रंग मच्छरों को दूर रखता है और शहर को ठंडा रखता है। इसे 'सन सिटी' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि पूरे साल सूरज हर मौसम में उसी ऊर्जा के साथ चमकता रहता है।

झीलों का शहर-उदयपुर

राजस्थान में उदयपुर को पहले मेवाड़ के नाम से जाना जाता था। उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों की वजह से पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अगर फिल्मों में किसी डायरेक्टर को झीलें दिखानी हैं, तो वो उदयपुर को ही सबसे पहले चुनते हैं। पिछोला झील, फतेह सागर, बड़ी, ढेबर, सागर स्वरूप झील, दूध तलाई उदयपुर की लोकप्रिय झीलें है। यही वजह है कि इस शहर को 'झीलों का शहर' कहा जाता है।

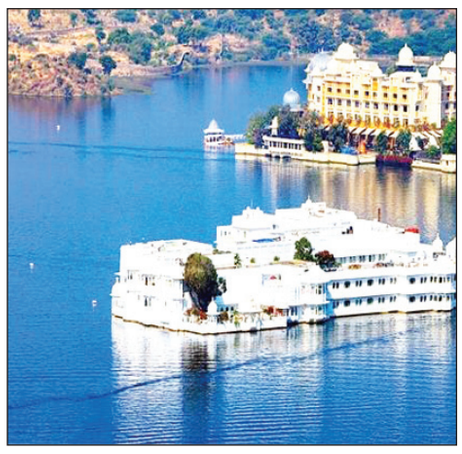

महलों का शहर, जॉय सिटी-कोलकाता

मस्ती और मजा क्या होता है, कोलकाता के लोग ये सब जानते हैं, चाहे फिर वो दुर्गा पूजा हो या क्रिसमस हो, ईद हो या नया साल हो, उन्हें हर चीज में मजा करना आता है। फ्रांसीसी लेखक डोमिनिक लैपिएरे ने कोलकाता को सिटी ऑफ जॉय निकनेम दिया था। विक्टोरिया मेमोरियल, फोर्ट विलियम, मार्बल पैलेस, जैसे महलों की वजह से भी इसे सिटी ऑफ पैलेस भी कहा जाता है।

गुलाबी शहर-जयपुर

राजस्थान के इस खूबसूरत शहर में, ऐतिहासिक महत्व रखने वाली हर इमारत गुलाबी रंग में है। आपको बता दें, गुलाबी रंग उस समय की रानी को बेहद पसंद था। महारानी की पसंद को ध्यान में रखते हुए और उस समय 1876 में प्रिंस अल्बर्ट द्वितीय का स्वागत करने के लिए खासतौर पर शहर को पिंक किया गया था। उनके सम्मान में, महाराजा ने एक कोर्ट हॉल का निर्माण भी किया था। अल्बर्ट शहर को इतने प्रभावित हुए कि उनके मुंह से इसका नाम पिंक सिटी निकल गया, जिसका हिंदी में अर्थ है गुलाबी शहर। तब से ये इस जगह को पिंक सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

बॉस्टन ऑफ इंडिया-अहमदाबाद

साबरमती नदी के तट पर मौजूद, अहमदाबाद औद्योगीकरण का टॉप स्पॉट है। इस शहर को 'बॉस्टन ऑफ इंडिया' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहां अडानी ग्रुप, निरमा डेटर्जेंटस और जयडस कैडिला जैसी कई बड़ी आईटी कंपनियां मौजूद हैं। जिन्होंने जीडीपी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही अहमदाबाद भारत की सबसे पहले यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सिटी भी है।

ग्वालियर में है दुनिया का एक ऐसा अकेला मंदिर

जहां विश्व के सबसे पुराने लिखित 'जीरो' की हुई थी खोज

पर्यटन की दृष्टि से मध्य प्रदेश काफी समृद्ध राज्य है। यहां काफी संख्या में धार्मिक चीजों से जुड़े लोगों का आना जाना लगा रहता है। ओरछा, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में मौजूद है। यहां प्रसिद्ध चतुर्भुज मंदिर भी है, जहां भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 876 ईसा पूर्व में हुआ था। मंदिर शिलालेख पर खुदे विश्व के सबसे प्राचीन ज्ञात शून्य के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। आपको बता दें, मंदिर के अंदर, भगवान विष्णु की प्रतिमा और शिलालेख पर शून्य अंकित है। लेकिन इन शून्यों को केवल वहां का टूर गाइड ही आपको दिखा सकता है।

ग्वालियर का चतुर्भुज मंदिर : जैसा कि हमने आपको ऊपर बताया, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चतुर्भुज मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। ये मंदिर ग्वालियर फोर्ट के पूर्वी दिशा में स्थित है। मंदिर के अंदर आपक भगवान विष्णु की भी खूबसूरत मूर्ती देख सकते हैं। अगर हम इस मंदिर के इतिहास की बात करें, तो चतुर्भुज का निर्माण साल 876 ई.पू में में करवाया गया था। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर को वैल्लभट्ट के पुत्र और गुर्जर-प्रतिहार वंश के नागरभट्ट के पोते अल्ला ने बनवाया था। हालांकि, इसमें कितनी सच्चाई इस बारे में कहना मुश्किल है।

दुनिया का सबसे प्राचीन लिखा जीरो : ग्वालियर मंदिर न सिर्फ भगवान विष्णु को समर्पित मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि ये मंदिर यहां अंकित विश्व लोकप्रिय प्राचीन जीरो के लिए भी जाना जाता है। इसकी खासियत की वजह से इस रहस्य को जानने के लिए कई इतिहासकार व पर्यटक देखने लिए यहां अक्सर आते रहते हैं। इस मंदिर को लेकर माना जाता है कि जिस लिखित नंबर ज़ीरों के बारे में हम और आप जानते हैं, उसका सबसे प्राचीन लिखित रिकॉर्ड इस मंदिर में देखा जा सकता है। इस खासियत की वजह से ये मंदिर विशेषज्ञों के लिए रिसर्च का केंद्र बना चुका है।

मंदिर में जीरो कहां दिखाई देता है : अगर आप इस मंदिर में जाएंगे, तो यहां की दीवारों में मौजूद 9वीं शताब्दी के शिलालेख पर दो बार '0' लिखा हुआ दिखाई देगा। इस शिलालेख पर 270 ङ्क 167, पूजा के लिए रोजाना 50 मालाएं दान देने जैसी कई बातें अंकित हैं।

पुराने लिखे हुए जीरो से जुड़े कुछ और दावे : फ्रांसीस आर्कोलॉजिस्ट Adhemard Leclere ने 1891 में कुछ ऐसी पांडलिपियों की रिसर्च की, जिसमें एक डॉट को जीरो की तरह उपयोग करते हुए दिखाया गया है। ये डॉट नॉर्थ ईस्ट कंबोडिया के क्रैटी क्षेत्र में मौजूद 'Trapang Prei' नाम की साइट पर एक पत्थर की सतह पर उकेरा गया था।

बख्शाली पांडुलिपि : प्राचीन लिखित शून्य की जानकरी बख्शाली पांडुलिपि में भी मिलते हैं। इसकी खोज 1881 में पेशावर के पास बख्शाली गांव के एक खेत में हुई थी।

ये पांडुलिपि 1902 से अब Bodleian Library of O&ford में है। हालांकि इस पांडुलिपि की सटीक जानकारी का पता कोई भी शोधकर्ता अभी तक नहीं लगा पाया है।

घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए।

इन चीजों का लें आनंद : गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भानगढ़ क्यों है भारत की सबसे डरावनी जगह

भानगढ़ किले को एशिया की सबसे डरावनी जगहों में से एक माना जाता है। कई लोग इसे खतरनाक बताते हैं जबकि कई लोग कहते हैं कि यह भूतिया है, लेकिन तथ्य यह है कि रहस्यों से घिरा किला राजस्थान में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। भानगढ़ किला भारत के सबसे प्रेतवाधित स्थान में से एक है। ऐसे में जानते हैं कि क्या भानगढ़ का किला सच में भूतिया है और इससे जुड़ी कुछ रहस्मय बातें।

डरावना एहसास

जब आप यहां होते हैं, तो आप इसकी राजसी वास्तुकला पर आश्चर्यचकित हो सकते हैं,हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें यहां पर अजीब सा एहसास होता है जैसे कि कोई उनका पीछा कर रहा हो। यही कारण है कि इसकी लोकप्रियता के बावजूद, लोग लंबे समय तक किले में घूमने से बचते हैं।

साधू ने दिया था श्राप

रिपोर्ट्स की मानें तो भानगढ़ किले को गुरु बालू नाथ नामक एक साधु ने शाप दिया था। दरअसल, जिस जगह पर किला बनाया गया है, वह एक बार ऋषि के ध्यान स्थल था, और जब राजा ने उनसे अनुरोध किया कि वह यहां एक किला बनाना चाहते हैं, तो ऋषि एक शर्त पर सहमत हुए कि किले की छाया उन्हें नहीं छूनी चाहिए। राजा ने उसे विश्वास दिलाया कि उसके स्थान पर किले की छाया उसे नहीं छुएगी, हालांकि ऐसा नहीं हुआ और साधु के श्राप ने पूरा गांव नष्ट कर दिया।

तीन दोस्तों ने की थी रात में रुकने की हिम्मत

भानगढ़ से जुड़ी कई भयानक कहानियां लोगों के पास हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक बार तीन डेयरडेविल्स ने सूर्यास्त के बाद भानगढ़ किला परिसर में रहने का फैसला किया क्योंकि वह वास्तव में प्रेतवाधित है भी या नहीं। हालांकि, एक मशाल से लैस होने के बावजूद, उनमें से एक कुएं में गिर गया, हालांकि उसके दोस्तों ने उसे बचा लिया, और फिर उसे अस्पताल ले जाने के लिए वह दौड़ पड़े। लेकिन इस दौरान तीनों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।

सूर्यास्त के बाद जाना है मना

रात में भानगढ़ किले के अंदर रहना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भानगढ़ के कई स्थानों पर लोगों को सूर्यास्त के बाद और सूरज उगने से पहले परिसर में रहने के खिलाफ चेतावनी देने के लिए बोर्ड भी लगाए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, जो कोई भी रात में किले के अंदर जाने में कामयाब रहा, वे अपनी कहानी बताने के लिए कभी नहीं लौटे, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि रात में आत्माएं वहां घूमती हैं।

क्या भानगढ़ का किला भूतिया है?

इसको लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है, हालांकि इस पुराने किले की भूतिया सुंदरता से कोई इंकार नहीं कर सकता। लंबे समय से चले आ रहे एक युग का स्थायी प्रमाण, सत्य और कल्पना के रहस्यों में डूबा, भानगढ़ किला देखने लायक जगह है। अपने राजस्थान यात्रा पैकेज में एक निर्देशित टूर जोड़ें, ताकि आप एक गाइड के साथ किले का घूम सकें और किले के इतिहास और इसके आसपास की स्थानीय जानकारी के बारे में ज्यादा जान सकें।

भानगढ़ के किले का सफर

भानगढ़ का किला राजस्थान में स्थित है। इस किले में आपको राजसी वास्तुकला का नमूना देखने को मिलेगा। लोग यहां कि ऐतिहासिकता देखने के लिए आते हैं। लेकिन भानगढ़ की राजसी ठाट से ज्यादा लोगों का ध्यान वहां के अजीब एहसास पर होता है। ऐसा लगता है कि मानो कोई उनका पीछा कर रहा हो। एक खास बात यह भी है कि अपने अंदर डरावने एहसास को छुपाए रखे इस किले में लोग लंबे समय तक ठहर नहीं पाते। शाम होने से पहले लोगों को भानगढ़ के किले से बाहर निकल जाना होता है। शाम के बाद यहां रुकने की मनाही होती है।

भारत की सबसे डरावनी जगह भानगढ़ किले से जुडी रोचक बातें

- भानगढ़ किले का निर्माण 17वीं शताब्दी में मान सिंह के छोटे भाई राजा माधो सिंह ने करवाया था। राजा माधो सिंह उस समय अकबर के सेना में जनरल के पद पर तैनात थे। निर्माण के पश्चात् यह किला करीब 300 वर्षों तक फला-फूला और आबाद रहा व् प्राचीन समय में इस किले व् भानगढ़ गांव में लगभग 10000 लोग रहा करते थे।
- भानगढ़ किले को बनाने में अवल दर्जे की कारीगरी का उपयोग किया गया था। इस किलो को बनाने में मजबूत पत्थरों से लेकर, सुन्दर शिल्पकलाएँ, पथरों पर हाथो की कारीगिरी इत्यादि की गयी थी।
- इसके अलावा इस किले में कई मंदिर भी बनाए गए थे।
- भानगढ़ किले को लेकर कहा जाता है इस किले में बेहद सुंदर राजकुमारी रत्नावती रहती थी। जिस पर एक तांत्रिक सिन्धु सेवड़ा का दिल आ गया था और वह राजकुमारी को हासिल करना चाहता था। जिसके लिए उसने तंत्र विद्या का सहारा लिया। परंतु राजकुमारी को इस बात का पहले ही पता चल गया था। इसी कारण तांत्रिक को अपने प्राणो से हाथ धोना पड़ा। परंतु तांत्रिक ने मरने से पहले इस किले को लोगो को श्राप दिया कि कि भानगढ़ किले में रहने वाले सभी व्यक्तियों की जल्दी ही मृत्यु हो जाएगी। उनकी आत्माएं सदैव इस किले में भटकती रहेंगी वो कभी दुबारा जन्म नहीं ले सकेंगी।
- तांत्रिक सिन्धु सेवड़ा की मृत्यु के कुछ समय पश्चात अजबगढ़ और भानगढ़ में घनघोर युद्ध हुआ तथा किले में रहने वाले सभी लोग मारे गए। इस युद्ध में राजकुमारी रत्नावती की मृत्यु हो गयी। उस किले में इतना कत्लेआम मचा कि इसकी चर्चे दूर दूर तक होने लगे। लोग कहते है कि आज भी इस किले में मरने वाले लोगों की आत्माएं घूमती है और चींखती है।
- क्या आप जानते है भानगड किले में आज भी सूरज ढलने के बाद रुकने कि मनाई है। यहां आप सूरज ढलने के बाद नहीं रुक सकते।

होलाष्टक में विवाह-सगाई पर लगेगा विराम : मंदिरों में होंगे विशेष अनुष्ठान

निसं

जयपुर (नवयत्न)। फाल्गुन मास में होली से पूर्व आने वाले होलाष्टक 24 फरवरी से प्रारंभ होने जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार होलाष्टक के आठ दिनों को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, सगाई, नया व्यवसाय प्रारंभ करना जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। होलिका दहन के साथ ही यह अवधि समाप्त हो जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार होलाष्टक के दिनों में ग्रहों की स्थिति उग्र मानी जाती है। जिससे वातावरण में नकारात्मकता बढ़ती है। इसलिए इन दिनों में जप-तप, दान-पुण्य और साधना को विशेष महत्व दिया गया है। श्रद्धालु भगवान विष्णु और भक्त प्रहलाद की कथा का स्मरण करते हुए भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करते हैं। ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है कि होलाष्टक में विशेष रूप से मंगल, शनि और राहु के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की शुरुआत से बचना चाहिए। हालांकि दैनिक पूजा-पाठ और नियमित कार्यों पर कोई रोक नहीं होती। उधर मंदिरों में होलाष्टक के दौरान विशेष पूजा-अनुष्ठान की तैयारियां शुरू हो गई हैं। धर्माचार्यों ने लोगों से इस अवधि में संयम, सत्संग और सेवा कार्यों में भाग लेने की अपील की है। होलिका दहन के साथ ही शुभ कार्यों का सिलसिला पुनः प्रारंभ हो जाएगा और इसके बाद विवाह व अन्य मांगलिक कार्यक्रमों की तिथियां पुनः सक्रिय हो जाएंगी।

23 को सजेगी श्रीश्याम निशान पदयात्रा

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। श्रीश्याम युवा मित्र मण्डल के तत्वावधान में इस वर्ष 17वीं निशान पदयात्रा और फाल्गुन महोत्सव का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाएगा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अंकित सैनी और मंदिर पुजारी अभिषेक सैनी ने कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव का आगाज 21 फरवरी को होगा। इस दिन प्रातः 10:15 बजे विधि-विधान के साथ निशान पूजन किया जाएगा। इसी श्रृंखला में 21 फरवरी की रात्रि 8:15 बजे से एक विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें सुजीत बैदी नारनौल, सुनील बैदी, कुशल सिंह खेतड़ी, गणेश शर्मा चिड़ावा, योगेश शर्मा सूरजगढ़ और विनोद लक्खा चिड़ावा आदि भजन गायक अपनी प्रस्तुतियों से बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 23 फरवरी को निकलने वाली निशान पदयात्रा होगी, जो चिड़ावा के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरेगी। पदयात्रा का मुख्य केंद्र अड़ूकिया स्कूल के सामने वाली गली रहेगा। भक्त महेन्द्र सैनी के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अलौकिक श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

कृपा श्याम की का भव्य आयोजन 22 को

निसं

तारानगर (नवयत्न)। आगामी 22 फरवरी को तारानगर के श्याम प्रेमी परिवार के सौजन्य से विनायक रिसोर्ट, दिल्ली सरदारशहर रोड खेतरपाल मंदिर के पास, तारानगर में पिछले वर्ष की भांति बाबा श्याम का भव्य कार्यक्रम कृपा श्याम की का आयोजन किया जायेगा। श्याम प्रेमी प्रदीप सरावगी और रेणु सरावगी ने बताया की इस भव्य कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुतियां देने के लिए तुषार चौधरी कोलकाता, सोमेश जैन जयपुर, महेश पारीक मुंबई, शिवम जैन कानपुर, संगीत हनुमान म्यूजिकल ग्रुप मुंबई, श्याम श्रृंगार शंकर सैन जयपुर आएंगे। कार्यक्रम शाम 7 बजे शुरू होकर रात को प्रभु इच्छा तक जारी रहेगा। कार्यक्रम में बाबा का अलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार, इत्र वर्षा, छप्पन भोग, अखण्ड ज्योत तथा रात को सामूहिक महाप्रसाद की भी व्यवस्था है। इससे पहले दिन 21 फरवरी को जब बाबा का शीश तारानगर पहुंचेगा तो तारानगर पुलिस स्टेशन के सामने सभी श्याम प्रेमी बाबा का स्वागत करके, नाचते-गाते ढोल नगाड़ो के साथ बाबा को लेकर आयेंगे। यह कार्यक्रम कोई व्यक्तिगत नहीं है। इसको करवाने वाला बाबा श्याम, करने वाला बाबा श्याम है। अतः सभी श्याम प्रेमियों से आग्रह है की इस भव्य कार्यक्रम कृपा श्याम की में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारें।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन कल से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आद्य जगद्गः शंकराचार्य ब्रह्मलीन यति सम्राट वरिष्ठ महामण्डलेश्वर शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुः शंकराचार्य, स्वामी प्रकाशनन्द महाराज, स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज शारदा पीठाधीश्वर अनंत विभूषित जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज के सानिध्य में जगद्गुरू पारमार्थिक न्यास, कनखल, हरिद्वार की ईकाई जगद्गुरू आश्रम जयपुर लालूगिरी की बगीची में पाटोत्सव के उपलक्ष में रामचरितमानस रामायण अखण्ड पारायण एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन से जुड़े चंद्र महेश झालानी ने बताया कि आयोजन के तहत 21 फरवरी, शनिवार को अखण्ड रामायण पाठ का प्रारम्भ प्रातः 8 बजे होगा। 22 फरवरी रविवार को रामायण पाठ पारायण की पूर्णाहुति प्रातः10 बजे होगी। इस अवसर पर प्रातः 11 बजे शारदा पीठाधीश्वर अनंत जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी राजराजेशराश्रम महाराज के आर्शीवचन होंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक श्री जगद्गुरू पारमार्थिक न्यास परिसर राजामल का तालाब, श्री गोविन्द देव जी के मंदिर के पास में भंडारा प्रसादी का आयोजन होगा। आयोजन में अनेक साधु-संतो और गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी।

युवा सम्मेलन आज से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर में यूथ फॉर इंडिया 2047 श्रृंखला के अंतर्गत 13वें अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन 20 और 21 फरवरी को होगा। इस सम्मेलन का विषय एआई डिसरप्शन एंड ऑपर्च्युनिटीज प्रिपेरिंग यूथ फॉर ग्लोबल चैलेंजेज है। यह दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। जहां वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, नेतृत्व और युवा सशक्तिकरण की बदलती भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। इसमें विश्व भर के चालीस महाविद्यालयों से एक हजार से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता होगी। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी करेंगे। इसमें प्रसिद्ध सेलिब्रिटी एवं युवा आइकन रणविजय सिंहा भी शामिल होंगे। समापन सत्र में युवा विकास और उच्च शिक्षा से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविद एवं नीति-निर्माता उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में 50 से अधिक विशिष्ट वक्ता शामिल होंगे। दो दिनों के दौरान 80 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ और 30 से अधिक पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी होंगी। इनमें युवा शोधार्थियों के नवीनतम शोध और नवोन्मेषी विचार प्रस्तुत किए जाएँगे। यह सम्मेलन युवाओं को भविष्य के लिए आवश्यक कौशल, समालोचनात्मक चिंतन क्षमता और वैश्विक दृष्टिकोण से सुसज्जित करने का लक्ष्य रखता है। जो भारत के 2047 के विज़न के अनुरूप है।

प्राचार्य के फैसले पर डॉक्टरों का सीधा वार, पांचवें दिन भी बंधी काली पट्टी

6 चिकित्सकों की बर्खास्तगी से भड़का आक्रोश, आज तय होगी आगामी रणनीति

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. राकेश साबू के बर्बरतापूर्ण एवं तानाशाही रवैये के विरोध में अरसिदा के बैनर तले जिलेभर के चिकित्सकों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी रहा। छह सेवारत चिकित्सकों की बर्खास्तगी के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन अब जिले के 175 संस्थानों के करीब 400 चिकित्सकों तक पहुंच चुका है। चिकित्सक गांधीवादी तरीके से काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे हैं। अरसिदा अध्यक्ष डॉ. एस. ए. जब्बार ने बताया कि 12 फरवरी को जीएमसी प्राचार्य द्वारा नियम विरुद्ध एवं अधिकार क्षेत्र से परे पदनामित चिकित्सकों को बर्खास्त करने से चिकित्सकों में भारी आक्रोश है। चिकित्सक मरीजों को सेवाएं देते हुए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज करवा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से चिकित्सकों में रोष बढ़ता जा रहा है। अरसिदा उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी एवं फार्माकोलॉजी की एकमात्र फैकल्टी को हटाने से विद्यार्थियों के भविष्य और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की मान्यता पर भी संकट खड़ा हो सकता है। इससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है और सेवारत चिकित्सक स्वयं को अपमानित महसूस कर रहे हैं। अरसिदा महासचिव डॉ. राजेन्द्र ढाका ने बताया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न होए इसे ध्यान में रखते हुए फिलहाल कार्य बहिष्कार स्थगित किया गया है, लेकिन काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रहेगा। शुक्रवार को गेट मीटिंग में आगे की रणनीति तय की जाएगी। मांगें नहीं माने जाने पर चिकित्सक मजबूर होकर कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाएंगे। इस दौरान डा राजेन्द्र ढाका, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. श्रीराम दुलड़, डॉ. शीशराम गोठवाल, डॉ. पुष्पा रावत, डॉ. राजेन्द्र पायल, डॉ. जगदेव सिंह, डॉ. राजेन्द्र गजराज, डा मधु तंवर, डा आकांक्षा, डा मनीषा चौधरी, डा श्वेता, डा दीपक देवठिया, डा सपना झाझड़ियां, डा राहुल सोनी, डा गौरव बूरी, डा ईकराज अहमद, डा दुष्यंत बसेरा, डा प्रियंका कस्वा, डा सुरेश मील, डा नेमीचंद, डा संदीप नेमीवाल, डा प्रमोद तेतरवाल, डा प्यारेलाल भालोठिया, डा अरविंद जाखड़, डा नवीन, डा कपूर थालौर, डा जयसिंह, डा पूनम चौधरी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ठोस कार्रवाई की मांग की।

नवयत्न फोटो ऑफ द डे

नियम और जिम्मेदार भी स्वागत में व्यस्त या . . .?

झुंझुनू शहर के पीरू सिंह सर्किल से चिड़ावा जाने वाली सड़क पर सुरक्षा के लिए लगे दिशा-सूचक बोर्ड पर मंगलवार का स्वागत करने वाला बैनर गुरुवार तक भी टंगा रहा। कार्रवाई तो दूर, इसे हटाने की पहल तक नहीं हुई। सवाल यही है आखिर यह बैनर कब हटेगा या फिर नियम और जिम्मेदार भी स्वागत में ही व्यस्त है ?

मोबाइल मैन निलेश मुद्गल

कान्हा समूह के 33 ठिकानों पर इनकम टैक्स की दूसरे दिन भी छापेमारी जारी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की प्रसिद्ध फुड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग इनकम टैक्स की छापेमारी गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। यह कार्रवाई बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक साथ 33 ठिकानों पर शुरू की गई थी। आयकर सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में करीब 50 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। साथ ही 8 बैंक लॉकर भी चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें खुलवाकर उनमें रखी संपत्ति और दस्तावेजों का मूल्यांकन कराया जाएगा। वहीं सबसे अधिक 26 ठिकानों पर जयपुर में टीमें जांच में जुटी हैं। इसके अलावा उदयपुरए श्रीगंगानगर, करौली, कोटा, हिंडौन और मुंबई स्थित कार्यालयों व अन्य परिसरों में भी सर्च अभियान जारी है। जयपुर के आमेर स्थित होटल ताज और कूकस के कुंदन वन होटल पर भी आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि ये दोनों आलीशान होटल भी कान्हा समूह की संपत्ति हैं।

आयकर विभाग की टीमें बैंक खातोंए डिजिटल रिकॉर्डए नकदी लेन-देन और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच कर रही हैं। कई महत्वपूर्ण फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक डाटा जब्त किए गए हैं। विभाग को बड़े स्तर पर आयकर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गोविंद देवजी मंदिर में सजी रचना झांकी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फुलेरा दोज का संबंध भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा एवं होली पर्व के आगमन से जुड़ा है। इस अवसर पर मंदिरों एवं घरों में फुलों से विशेष सजावट की गई। रंग-बिरंगे फुलों से होली खेलने की परंपरा निभाई गई। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में फुलेरा दोज पर ठाकुरजी और राधा रानी का पीले फुलों से श्रृंगार किया गया। रचना झांकी में ठाकुरजी के राधा रानी संग नौका विहार का भाव चित्रित किया। फुलेरा दोज के अवसर पर घरों और मंदिरों को फुलों एवं रंगोली से सजाकर उत्सव मनाया गया। होली पर्व के स्वागत की तैयारियों का शुभारंभ हुआ।

टेलीफोन अदालत आज

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। खेतड़ी नगर के दूरभाष केंद्र टेलीफोन एक्सचेंज कार्यालय में बीस फरवरी सुबह ग्यारह बजे दूरसंचार उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए टेलीफोन अदालत का आयोजन होगा। प्रस्ताव है। इस अदालत में खेतड़ी नगर कस्बे के टेलीफोन उपभोक्ताओं की टेलीफोन सेवाओं से संबंधित प्रकरणों और विवादों पर विचार किया जायेगा। पुराने लम्बित मामलो के संदर्भ में विभाग से किए गए पत्राचार, निर्णयो की प्रति सहित पूर्ण विवरण के साथ आवेदन करें। सहायक महाप्रबंधक प्रशासन ने बताया कि टेलीफोन अदालत में प्राप्त शिकायतों पर उपभोक्ता की समस्याओं का यथोचित समाधान करने का प्रयास किया जायेगा। शिकायतकर्ता को टेलीफोन अदालत के दिन स्वयं को उपस्थित होना होगा। किसी न्यायालय, उपभोक्ता परिषद में विचाराधीन मामले जिसमें अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ, उन पर विचार नहीं किया जायेगा। टेलीफोन बिल ब्रॉडबैंड बिल से संबंधित वही मामले विचारणीय होंगे, जिनकी बिल तारीख 20 जनवरी 2026 से पहले की हो।

निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन कल

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। निर्वाचन विभाग के निर्देशों के तहत 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन जो 14 फरवरी को किया जाना था अब वह 21 फरवरी को किया जाएगा। कार्यवाहक जिला निर्वाचन अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा अंतिम प्रकाशन की तिथि में संशोधन किया गया है।

जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता आज

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, खेल विभाग एवं जिला प्रशासन झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 20 फरवरी को दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सामाजिक समावेशन, समान अवसर और समान अधिकार की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा समाज को यह संदेश देना है कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने जानकारी दी कि एक दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में प्रातः 10 बजे से शुरू होगा।

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों, संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े दिव्यांग खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत व्हीलचेयर रेस, 50 मी, 100 मी. एवं 400 मी. दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, व्हीलचेयर/ट्राईसाइकिल रेस तथा म्यूजिकल चेयर सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा तथा सांयकाल में प्रतियोगिता का समापन होगा। प्रतियोगिता में जिले के दिव्यांगजन, विशेष विद्यालयों के विद्यार्थी, स्वयंसेवी संगठन एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने का मामला दर्ज

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ पुलिस थाने में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने का मामला लिखित रिपोर्ट पर तीन लोगों के खिलाफदर्ज हुआ है। पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार मोहम्मद इस्माईल निवासी वार्ड संख्या 32 ने लिखित रिपोर्ट दी कि उसके परिवार की आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही है, जिससे समाज में उनके परिवार की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। इस्माईल ने रिपोर्ट में लिखा है कि सलाउद्दीन, रमजान व सकरूद्दीन उनके परिवार से रंजिश रखते हैं तथा उसका एक भाई मोहम्मद जमील जो विदेश में रहता है, उसको भी परेशान किया जा रहा है। इन लोगों ने उनके परिवार से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर लगातार वायरल कर रहे हैं, जिससे समाज में उनके परिवार की प्रतिष्ठा पर आंच आई है तथा उनके परिवार की महिलाएं व बच्चियां अपने आपको असहज महसूस कर रही है। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच थाना प्रभारी गौरव खिड़िया स्वयं कर रहे हैं।

मारपीट का मामला दर्ज

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में लकड़ियां लेने के लिए गए तीन युवकों के साथ 10-15 लोगों ने मारपीट की तथा जाति सूचक गालियां निकाले जाने को लेकर स्थानीय पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है। पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के वार्ड संख्या 11 स्थित रामचंद्र पार्क निवासी 35 वर्षीय प्रेम पुत्र माणकचंद खटीक ने रिपोर्ट दी कि वह और उसके साथी विष्णु एवं मुकेश लकड़ी लेने के लिए पांच फरवरी को औद्योगिक क्षेत्र गए थे। वहां पर मनोहरसिंह की दुकान पर कुछ लड़के झगड़ा करके चले गए। इसी दौरान मनोहरसिंह ने 10-15 लोगों को फोन कर मौके पर बुला लिया। जब हम लोग लकड़ी लेकर निकल रहे थे, तो मनोहरसिंह ने हमें रोका तथा झगड़ा करने वालों का साथी बताकर इनसे मारपीट की और जाति सूचक गालियां निकाली। मारपीट में उसके व विष्णु के चोट आई है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच उप पुलिस अधीक्षक इनसार अली कर रहे हैं।

कुंड में डूबने से 28 वर्षीय युवक की मौत

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ तहसील के ग्राम कनवारी में शौच के लिए कुंड से पानी निकालते समय पैर फिसलने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि तहसील के ग्राम कनवारी निवासी 60 वर्षीय सीताराम मेघवाल में रिपोर्ट दी है कि उसका 28 वर्षीय पुत्र महेंद्र रोज की तरह आज गुरुवार को खेत गया था। इसी दौरान उसे सूचना मिली कि एक बाइक खड़ी है और पायतन में जूते पड़े हैं और कुंड खुला है। कुंड पर एक खाली बोतल भी पड़ी थी। सीताराम ने रिपोर्ट में लिखा है कि उसका पुत्र खेत में शौच जाने के लिए पानी निकाल रहा था और उसका पैर फिसल जाने से वह कुंड में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर रतनलाल कर रहे हैं।

सरयूजी को ओढ़ाएंगे जयपुर की चुनरी, अयोध्या में दो दिवसीय आयोजन 21 से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ठाकुर श्री जानकी जीवनजी के 18 वें प्राकट्योत्सव पर 21 व 22 फरवरी को दर्शन भवन मंदिर जानकी घाट अयोध्या धाम में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन अयोध्या धाम की महंत डॉक्टर ममता शास्त्री के सान्निध्य में किया जाएगा। आयोजन में गुलाबी नगरी जयपुर के चंद्र महेश झालानी दर्शन भवन से भक्तों के साथ गाजे.बाजे से सरयूजी पहुंचेंगे जहां पूजा-अर्चना के बाद सरयू जी को चुनरी ओढ़ाई जाएगी। सरयू के तीर पर यह आयोजन डॉ. ममता शास्त्री के निर्देशन में एवं ब्रह्मचारी विश्वनाथ दास शास्त्रीजी की प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में प्रमुख आकर्षण सरयू माताजी को ओढ़ाई जाने वाली एक हजार मीटर की जयपुरी चूनरी होगी। आयोजन में जयपुर सहित अन्य स्थानों से भी भक्त इस विशाल चुनरी महोत्सव के साक्षी बनेंगे। इस मौके पर दर्शन भवन में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन होगा जिसमें भजन संध्या और महाआरती के बाद भक्तों में प्रसादी वितरित की जाएगी।

पूर्व सैनिकों का कार्यक्रम अब 8 मार्च को

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, सैनिक आश्रितों आदि को लेकर चूरू के स्टेडियम में 22 फरवरी को होने वाली रैली अब 8 मार्च को होगी। पूर्व सैनिक सुजानगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष श्यामलाल गोयल ने बताया कि 8 मार्च को होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वीर नारी और गलेंट्री अवार्ड विजेताओं का सम्मान किया जायेगा। इसी प्रकार जरूरतमंदों को व्हील चैयर, ई स्कूटी, हियरिंग एड आदि उपकरण भी प्रदान किए जायेंगे। शामिल होने वालों से आयोजन प्रभारी बीकानेर बी वी राव के पास रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की गई है।

खाटूश्याम फाल्गून मेला 2026 : ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर श्री श्याम बाबा लक्खी मेले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 21 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये है। आदेशानुसार सेक्टर-1 में प्रथम पारी में प्रात:10 बजे से रात्रि 10 बजे तक भावना शर्मा अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर सीकर, सत्यवीर सिंह उप पंजीयक सीकर, अमितेश मीणा, तहसीलदार निर्वाचन सीकर, फारूक अली खान तहसील लक्ष्मणगढ़, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात:10 बजे तक मोहर सिंह मीणा उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मणगढ़, बाबुलाल नायब तहसीलदार लक्ष्मणगढ़ को श्री श्याम मंदिर परिसर व मेला मजिस्ट्रेट कंट्रोल रूम, सैक्टर-2 में प्रथम पारी में प्रात:10 बजे से रात्रि 10 बजे तक राजवीर यादव उपखण्ड अधिकारी नीमकाथाना, देवीलाल नायब तहसीलदार नीमकाथाना, जगदीश गौड़ सचिव यूआईटी सीकर, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक सोमेन्द्र कुमार नायब तहसीदार दांतारामगढ़ में 75 फीट से लखदातार ग्राउण्ड तक का सम्पूर्ण क्षेत्र सेक्टर 3 में प्रथम परी में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारती फुलफकर उपखण्ड अधिकारी रामगढ़ शेखावाटी, कैलाश पाल अतिरिक्त चार्ज नायब तहसीलदार रामगढ़ शेखावाटी, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक अनिल कुमार उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर, चन्द्र प्रकाश महर्षि जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी सीकर को लामियां तिराहा क्षेत्र लखदातार ग्राउण्ड तक, सेक्टर 4 में प्रथम पारी

में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक ज्योत्सना खेड़ा उपखण्ड अधिकारी खण्डेला, रश्मि मीणा विकास अधिकारी प.स.धोद, पूजा नायब तहसील धोद, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात:10 बजे तक राहुल कुमार मल्होत्रा उपखण्ड अधिकारी धोद, हनुमान सहाय मीणा नायब तहसीलदार खण्डेला को चारण खेत ग्राउण्ड से केरपुरा तिराहा होते हुए रींगस रोड़ तक सम्पूर्ण डायवर्जन मार्ग तक के क्षेत्र में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सेक्टर 5 में प्रथम पारी में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक विजेन्द्र पाल जिला रसद अधिकारी सीकर, रामचन्द्र गुजर तहसीलदार नेछवा, मानसिंह विाकस अधिकारी पं.स. नीमकाथाना, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक भावेश धनवन्त उपखण्ड अधिकारी नेछवा, किशन लाल मीणा नायब तहसीलदार नेछवा को पॉवरग्रिड लखदातार ग्राउण्ड रोड़ से खाटूश्याम विकास सोसायटी, श्याम कुण्ड, कबुत चौक, रींगस रोड़ से तोरण द्वार मण्ढा चौराहा तक, बस स्टेण्ड तक का खाटू शहर का मध्य भाग। सैक्टर 6 में प्रथम पारी में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक दमयंति कंवर उपखण्ड अधिकारी फतेहपुर, रामनिवास मीणा नायब तहसीलदार फतेहपुर, द्वितीय पारी में भागीरथ यादव तहसीलदार सीकर, जनरेल सिंह विकास अधिकारी पिपराली पं.स. पिपराली को अलौदा तिराहा, दांता रोड़ पीडब्ल्यू चौकी, मंदिर के पीछे थाने के आस-पास का क्षेत्र अलोदा सड़क से दांता सड़क तक का सम्पूर्ण वाहन निर्गमन क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। सैक्टर 7 में प्रथम पारी में प्रात:10 बजे से रात्रि 10 बजे तक ज्वाला सहाय सहायक कलेक्टर द्वितीय मुख्यालय सीकर, रामनिवास नायब तहसीलदार पलसाना, द्वितीय पारी में रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक अमीलाल मीणा तहसीलदार खण्डेला, हरिसिंह विकास अधिकारी पं.सं. खण्डेला को यातायात पार्किंग एवं मण्डा खाटू सड़क से रींगस खाटू सड़क के माध्य का सम्पूर्ण यातायात पार्किंग क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। सैक्टर 8 में प्रथम पारी में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक बृजेश कुमार उपखण्ड अधिकारी रींगस, कविता गोदारा सहायक कलेक्टर मु. प्रथम सीकर, सुभाष कुमार तहसीलदार पाटन, द्वितीय पारी रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक महेश ओला तहसीलदार रींगस, सुनिल ढाका विकास अधिकारी पं.स. श्रीमाधोपुर को रींगस खाटू मार्ग, मण्ढा मोड़ से सरगोठ एवं सम्पूर्ण रींगस कस्बा में नियुक्त किया गया है।

सैक्टर 9 में प्रथम पारी में प्रात:10 बजे से रात्रि 10 बजे तक भीमसेन सैनी तहसीलदार सीकर ग्रामीण, राजेन्द्र कुमार चौधरी सहायक निदेशक महिला एवं अधिकारिता विभाग सीकर, द्वितीय पारीमें रात्रि 10 बजे से प्रात: 10 बजे तक अभिषेक सिंह तहसीलदार नीमकाथाना, सुमित काजला अधीक्षक आई.टी.आई सीकर, हितेश चौधरी तहसीलदार फतेहपुर को पुलिस थाना, कबुतर चौक, गवाड चौक, मण्डा चौराहा, अस्पताल एवं अलौदा तिराहा तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल कोच रामसिंह जाट ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ पर निदेशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्य डॉ विरेन्द्र कुमार यादव, उपप्राचार्य विजेंद्र कुमार, श्याम सामोता द्वारा किया गया। निदेशक मोहर सिंह खर्रा ने अन्य विद्यार्थियों से भी खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। खेल गतिविधियां विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेल प्रतियोगिताएं खेल भावना, आपसी सौहार्द एवं सकारात्मक सोच का विकास करती हैं। खेलों के माध्यम से अनुशासन, समय प्रबंधन एवं टीमवर्क जैसे गुण सुदृढ़ होते हैं। खेल प्रतियोगिताएं नवीन ऊर्जा एवं सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं जिससे वे भविष्य में और अधिक उत्साह एवं समर्पण के साथ विकास में योगदान दे सकते हैं। प्रतियोगिता में छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए, जिनमें प्रतिभागियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। जिसमें विजेता टीम ने उत्कृष्ट तालमेल और शक्ति का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। सुभाष खोखर टीम विजेता व अशोक सैनी टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को महाविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय प्रभारी प्रमोद वर्मा, कला संकाय प्रभारी शिव प्रसाद यादव, कार्यालय प्रभारी धर्मपाल बिजारणिया, राकेश शर्मा, ममता यादव, प्रदीप शर्मा, विजयपाल जाट, सुरेंद्र मीणा, ग्यारसी लाल यादव सहित समस्त स्टाफ मौजूद था।

बेमौसम वर्षा से कटाई के बाद रखी फसल खराब होने पर मिल सकेगा बीमा क्लेम, 72 घण्टे में देनी होगी सूचना

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवर्ती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि तक खेत में सुखाने के लिए रखी रबी की फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी, जिसके लिए प्रभावित बीमित फसल के काश्तकार को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 14447 पर देनी होगी। कृषि विभाग नें बीमा कम्पनियों को प्राप्त सभी इंटीमेशन का तत्काल सर्वे कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है। असामयिक वर्षा से प्रभावित काश्तकारों के लिए बीमित फसल के नुकसान की सूचना 72 घण्टे के भीतर जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी को देना जरूरी है, ताकि नुकसान का आंकलन कर बीमा क्लेम देने की कार्यवाही की जा सके। फसल में हुए नुकसान की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 14447 दी जा सकती है। इसके अलावा प्रभावित किसान जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नजदीकी कृषि कार्यालय अथवा सम्बन्धित बैंक को भी हानि प्रपत्र भरकर सूचना दे सकते है। विभागीय अधिकारियों एवं बीमा कम्पनियों को तत्काल फील्ड में पहुंचकर फसल खराबे का सर्वे प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रभावित किसानों को बीमित फसलों के नुकसान का क्लेम दिलवाकर राहत प्रदान की जा सके।

सामूहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। धाराजी स्थित सीताराम-हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन एवं मंदिर पुजारी रामबालकदास महाराज के सान्निध्य में सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जो देर रात तक चला। कार्यक्रम में अजीतगढ़ पंचायत समिति के पूर्व प्रधान एडवोकेट शंकरलाल यादव, भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष रतनलाल जांगिड़, ग्यारसीलाल टेलर, पवन कुमार शर्मा, कल्याणपुरा ग्राम प्रशासक पवन कुमार सांई, मोतीलाल रुण्डला, डॉ लक्ष्मण सिंह पूनिया, प्रहलाद सैन, लक्की, गौतम सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम से पूर्व सीताराम-हनुमान मंदिर में भगवान सीताराम, भगवान हनुमान, भगवान शिव परिवार का आकर्षक श्रृंगार किया गया और मंदिर पुजारी रामबालकदास महाराज द्वारा विशेष पूजा-अर्चना की गई। संगीतमय सुंदरकांड पाठ में डॉ लक्ष्मण सिंह पूनिया की अगुवाई में सभी श्रद्धालुगणों ने लाजवाब, शानदार, बेमिसाल प्रस्तुतीकरण से सबका मन मोहित कर दिया।

जांच से बचने का खेल, आरटीआई को बना दिया फुटबॉल

श्री गोपाल गौशाला में अनियमितता व गौवंश मृत्यु प्रकरण, निष्पक्ष जांच की मांग

कासं

झुंझुनू (नवयत्न)। भ्रष्टाचार उजागर करने के लिए बनाए गए आरटीआई एक्ट को ही अधिकारी ही फुटबॉल बना रहे हैं। ताजा मामला शहर की सैकड़ों वर्ष पुरानी श्री गोपाल गौशाला से जुड़ा हुआ है, जहां अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और गोवंश की मृत्यु के मामलों को लेकर आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक कुमार मोदी ने जिला कलेक्टर से जांच की मांग की थी। जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा पशुपालन विभाग को जांच के निर्देश दिए गए, लेकिन विभाग ने स्वयं जांच करने के बजाय आवेदक को ही ईमेल के माध्यम से सबूत सहित कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश जारी कर दिया। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि जब शिकायत दर्ज हो चुकी है तो जांच करना विभाग की जिम्मेदारी है या शिकायतकर्ता की आरटीआई एक्टिविस्ट मोदी का कहना है कि उन्होंने गौशाला में अनियमितताओं, गोवंश की मृत्यु के उचित निस्तारण में लापरवाही तथा कार्यकारिणी के समय पर चुनाव नहीं कराने जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर करते हुए शिकायत की थी। इसके बावजूद संबंधित विभाग स्वयं मौके पर जांच करने के बजाय आवेदक को ही सबूत प्रस्तुत करने के लिए कार्यालय बुला रहा है, जिससे जांच प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच को ठंडे बस्ते में डालने के उद्देश्य से मामले को फुटबॉल बनाकर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों की इस कार्यशैली से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की बजाय उसे संरक्षण मिलने की आशंका प्रबल हो रही है।

गौ रक्षक दल ने भी किया था धरना-प्रदर्शन

ज्ञात रहे कि कुछ समय पूर्व गौशाला में अनियमितताओं और गोवंश से जुड़े मुद्दों को लेकर गौ रक्षक दल ने गौशाला के बाहर धरना-प्रदर्शन भी किया था। उस दौरान पहुंचे उच्च अधिकारियों ने निष्पक्ष और पूर्ण जांच का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया था। साथ ही पिछले पांच वर्षों से कार्यरत कार्यकारिणी के तीनों पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा भी दे दिया था, लेकिन इसके बावजूद वर्तमान में वही कार्यकारिणी पुन: कार्यरत है, जिससे विवाद और गहरा गया है।

महंत दिनेश गिरी भी कर चुके मध्यस्थता

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान

राजस्थान सरकार
कार्यालय संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, झुंझुनूं।
(पता:-गुढा मोड़ रोड़ नं0 3 झुंझुनूं राजस्थान,333001)
दूरभाष नं.:-01592-232700 Email ID:-ddajjn@gmail.com

क्रमांकः- 19017 दिनांकः- 17.2.26

श्री अशोक मोदी पुत्र बजरंग लाल मोदी,
मोदी रोड, मोदी भवन, वार्ड नंबर 29
जिला झुंझुनूं।
मो.-8005750339
ashokmodi500@gmail.com

विषयः- कार्यालय जिला कलक्टर व कार्यालय पशुपालन विभाग झुंझुनूं को श्री गोपाल गौशाला/नंदीशाला झुंझुनूं की शिकायतों के संबंध में।

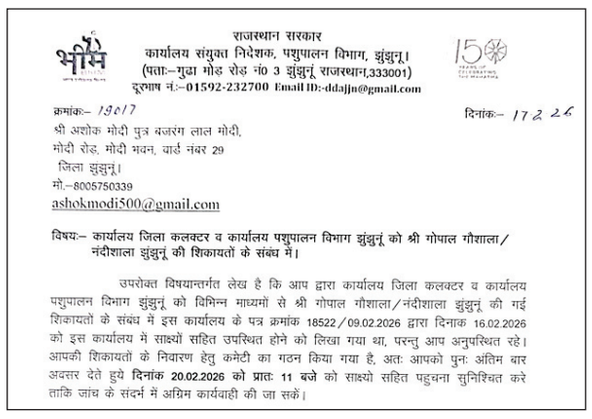

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि आप द्वारा कार्यालय जिला कलक्टर व कार्यालय पशुपालन विभाग झुंझुनूं को विभिन्न माध्यमों से श्री गोपाल गौशाला/नंदीशाला झुंझुनूं की गई शिकायतों के संबंध में इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 18522/09.02.2026 द्वारा दिनाक 16.02.2026 को इस कार्यालय में साक्ष्यों सहित उपस्थित होने को लिखा गया था, परन्तु आप अनुपस्थित रहे। आपकी शिकायतों के निवारण हेतु कमेटी का गठन किया गया है, अतः आपको पुनः अंतिम बार अवसर देते हुये **दिनांक 20.02.2026 को प्रातः 11 बजे** को साक्ष्यो सहित पहुचना सुनिश्चित करे ताकि जांच के संदर्भ में अग्रिम कार्यवाही की जा सकें।

फतेहपुर स्थित बुद्धगिरी मढी के महंत दिनेश गिरी ने प्रदर्शनकारियों और गौशाला कार्य समिति के बीच मध्यस्थता कर समाधान का प्रयास भी किया था। बावजूद इसके अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से गौभक्तों और आमजन में आक्रोश व्याप्त है। ऐसे में आरटीआई एक्टिविस्ट ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि आस्था और सनातन परंपरा की धरोहर श्री गोपाल गौशाला में हो रही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच किसी निष्पक्ष व उच्च अधिकारी से करवाई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सकेए दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और गौवंश की समुचित देखभाल सुनिश्चित हो सके।

इनका कहना है

जिला कलेक्टर को गौशाला में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी देकर जांच की गुहार लगाई थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पशुपालन विभाग में आरटीआई के तहत सूचना मांगी गई थी, उसका जवाब देने के बजाय मुझसे ही सबूत मांगे जा रहे हैं। यदि विभाग आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध करवाता है, तो उन्हीं दस्तावेजों में गड़बड़ियों के सबूत स्वत: सामने आ जाएंगे।

अशोक कुमार मोदी, आरटीआई एक्टिविस्ट, झुन्झुनू।

वहीं इस बारे में पक्ष जानने के लिए उपनिदेशक पशुपालन विभाग से संपर्क करना चाहा लेकिन तकनीकी खराबी की वजह से संपर्क नहीं हो पाया।

सासाहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सासाहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की स्थिति एवं निस्तारण की प्रगति के साथ राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष के सभी कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएं तथा लंबित भुगतानों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन आवश्यक है, उनके प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित किए जाएं। बैठक में जलदाय विभाग के अधिकारियों को आगामी

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल आपूर्ति बाधित न हो इसके लिए समर कंटीन्जेंसी प्लान तैयार करने व आवश्यक टेंडर प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, एसडीएम कौशल्या बिश्नोई, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजपाल सिंह, जिला लेखाधिकारी डॉ सतीश खेदड़, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, पीएमओ डॉ जितेंद्र भांबू, नगर परिषद आयुक्त देवीलाल, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, प्रशासनिक सुधार विभाग की सहायक निदेशक सृष्टि, एपीआरओ विकास चाहर, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र सिंह लांबा, सीडीईओ अशोक शर्मा, डीईओ प्रारंभिक संतोष सोहू, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक देवेंद्र चौधरी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझड़िया, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अभिषेक चौपदार, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अहिंसा से अधिकार थीम आधारित गतिविधियों का आयोजन 22 तक

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। जिले में विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025 को लेकर ग्रामीण स्तर पर जागरूकता का अभियान शुरू किया गया है। 8 मार्च तक चलने वाले इस 6 चरणीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को नए कानूनी प्रावधानों, रोजगार गारंटी, पारदर्शी मजदूरी भुगतान और विकेन्द्रीकृत पंचायत प्लानिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कानूनी प्रावधानों और फायदों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके अधिकारों से रूबरू कराने के लिए अहिंसा से अधिकार थीम आधारित गतिविधियाँ चौथे सप्ताह सोमवार से 22 फरवरी तक आयोजित की जा रही है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र यादव ने बताया कि संवैधानिक मूल्यों से जुड़े रोजगार के अधिकारों की समझ, बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग का प्रदर्शन, समुदाय में गांधीजी के सकारात्मक उद्धरणों के साथ रोजगार अधिकार, जागरूकता यात्रा विद्यालयों में पेंटिंग एवं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। महात्मा गांधी और विकसित भारत के गाँवों की बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का प्रदर्शन, ग्रामीण नागरिकों के लिए पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जन-जागरूकता यात्रा में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम के प्रावधानों को प्रदर्शित करती तख्तियां या बैनर का उपयोग किया जाकर आयोजित की जाएगी। जिसमें ग्राम सरपंच एवं पंच स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

आईटी विभाग के कार्मिकों की बैडमिंटन प्रतियोगिता 21-22 फरवरी को

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ जिला इकाई झुंझुनू के तत्वावधान में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के कार्मिकों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 21 व 22 फरवरी 2026 को किया जाएगा। जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश नुनिया ने बताया कि जिले में पदस्थापित आईटी कार्मिकों में आपसी सौहार्द, टीम भावना तथा शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवाचार के रूप में बैडमिंटन प्रतियोगिता के प्रथम संस्करण का आयोजन स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में किया जाएगा। आईटी यूनियन जिला खेल प्रभारी कपिल झाझडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में एकल, युगल एवं मिश्रित वर्ग के मुकाबले बैडमिंटन नियमों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 फरवरी निर्धारित की गई है। आयोजन समिति ने जिले के सभी आईटी विभागीय कार्मिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

विभिन्न विभागों के कार्मिकों की आज होगी एनसीडी स्क्रीनिंग

जयपुर (नवयत्न)। आगामी 20 फरवरी को महिला अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता विभाग एवं शिक्षा विभाग में कार्यरत समस्त 30 वर्ष से अधिक कार्मिकों की एनसीडी स्क्रीनिंग की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विभागों यथा महिला अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता विभाग एवं शिक्षा विभाग में कार्यरत 30 वर्ष से अधिक समस्त कार्मिकों की एनसीडी स्क्रीनिंग की जाएगी। इसमे चिकित्साकर्मियों द्वारा कार्मिकों के रक्तचाप, मधुमेह, ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, सवाईकल कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों एनसीडी की स्क्रीनिंग की जाएगी।

27 से शुरू होगा चार दिवसीय घूमर कार्यक्रम

लाडनूं (नवयत्न)। शहर के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक घूमर-2026 इस बार 27 फरवरी से आयोजित किया जाएगा। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर लाडनूं क्षेत्र के होली प्रेमियों एवं निवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। समिति ने इस बार कलाकारों का उत्साहवर्धन करने के लिए इस वर्ष कुल 200 पुरस्कार वितरित किए जाएंगे, जिनमें 15 कलाकारों को प्रथम, 25 को द्वितीय, 30 को तृतीय और 130 कलाकारों को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विचित्र वेशभूषा और दैनिक प्रोत्साहन के लिए भी विशेष पुरस्कारों की श्रेणी रखी गई है, जो इस बार आकर्षण का केंद्र रहेगी। सुरक्षा और सुव्यवस्था को लेकर समिति ने इस बार भी शानदार इंतजाम किए हैं। पूरा कार्यक्रम परिसर आधुनिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेगा।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सनलाइट ऑटोमोबाइल C/o आरटीओ कार्यालय के पास, जयपुर रोड, झुंझुनू, जिला झुंझुनू जो जिला उद्योग केंद्र झुन्झनू में RF/JJN/2022/1929 रजिस्टर्ड है। इस फॉर्म में साझेदार श्री अनमोल गढ़वाल पुत्र स्वर्गीय सांवर मल द्वारा 28/01/2026 को त्यागपत्र दिया गया है । इसमें किसी भी तरह की आपत्ति हो तो रजिस्टर्ड ऑफ फर्म, जिला उद्योग केंद्र, झुन्झनू को इसके प्रशासन से सात दिवस में सूचित करें ।

ग्लोबल हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल 28 फरवरी से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ग्लोबल हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल जीएचडब्लूएफ 2026 के लिए जयपुर शहर एक अनोखा अनुभव देखने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह भारत का सबसे बड़ा पब्लिक-कनेक्ट हेल्थ फेस्टिवल है जो 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में होगा। केयर हेल्थ इंश्योरेंस, गो माया फाउंडेशन के साथ मिलकर जीएचडब्लूएफ 2026 को प्रस्तुत कर रहे है। जीएचडब्लूएफ 2026 आरोग्य टेक लिमिटेड द्वारा पावर्ड, कोगटा फाउंडेशन और जीसीएल ड्रीम्स द्वारा को-पावर्ड है। ये पार्टनरशिप फेस्टिवल के हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी और सोशल इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म के बीच मजबूत सहयोग को दर्शाती है। जीएचडब्लूएफ के फाउंडर और सीईओ हिम्मत सिंह ने बताया कि जीएचडब्लूएफ 2026 सिर्फ एक इवेंट नहीं, यह एक हेल्थकेयर मूवमेंट है जो दुनिया भर के हॉस्पिटल, भारत के बड़े मेडिकल इंस्टीट्यूशन और जयपुर के सबसे अच्छे हेल्थ केयर प्रोवाइडर को एक मंच प्रदान करता है ताकि आम लोगों को अच्छी, सस्ती और प्रिवेंटिव हेल्थकेयर एक ही जगह पर दी जा सके। हमारा फोकस साफ है, जल्दी डायग्नोसिस, जागरूकता और उन लोगों को असली मदद जिन्हें सच में इसकी जरूरत है। इस साल फेस्टिवल में जयपुरवासियों के लिए इंटरनेशनल हेल्थकेयर एक्सपर्टाइज भी आ रहे है जिनमें दुबई के एस्टर ग्रुप और तुर्की के एमएलपी केयर जैसे ग्लोबल हॉस्पिटल ब्रांड के साथ अपनी मेडिकल समस्याओँ के बारे में बात करने का मौका मिलेगा - जो फेस्टिवल के लोकल से ग्लोबल विज़न की तरफएक बड़ा कदम है। जाने-माने भारतीय इंस्टीट्यूशन जैसे मेदांता-द मेडिसिटी फेस्टिवल में भारत के बेस्ट चेस्ट फिजिशियनस को में एक मंच पर चर्चा पेश करने का मौका देगी जिसमें कोविड के बाद सांस की बीमारियों पर फोकस किया जाएगा, जो आज कल सभी उम्र के लोगों में काफी बढ़ रही हैं। इस फेस्टिवल में जयपुर के सबसे भरोसेमंद हेल्थ केयर इंस्टीट्यूशन जैसे नारायणा हेल्थ, सीके बिरला हॉस्पिटल, शाल्बी हॉस्पिटल, अपोलो स्पेक्ट्रा, बालाजी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, पिंक स्टार हॉस्पिटल, मैटरनिटी हॉस्पिटल, नियो क्लिनिक, एशियन कैंसर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, मंगलम इंटरनेशनल आएवीएफ, सेहत फिजियोथेरेपी, और माय डेंटाकेयर शामिल होंगे। हमारे डायग्नोस्टिक पार्टनर परफेक्ट लैब और एसआरएल डायग्नोस्टिक्स फेस्टिवल के दौरान बड़े पैमाने पर प्रिवेंटिव स्क्रीनिंग इनिशिएटिव में मदद करेंगे। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण बड़े पैमाने पर प्रिवेंटिव हेल्थ स्क्रीनिंग इनिशिएटिव होगा, जिसमें फेस्टिवल के सभी रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट्स को मेडिकल फील्ड में फ्री स्पेशलिस्ट कंसल्टेशन मिलेगा। हेल्थ चेक-अपए ऑन-साइट डायग्नोस्टिक्स या टेस्ट वाउचर संबंधित हॉस्पिटल द्वारा जारी पार्टनर हॉस्पिटल में एक हफ्ते के अंदर रिडीम किए जा सकेंगे, साथ ही एक स्पेशल हेल्थ बेनिफिट बुकलेट भी दी जाएगी जो सालाना फ्री और डिस्काउंटेड सर्विस देगी, जिससे परिवार हेल्थकेयर खर्च पर सालाना 10,000-15,000 बचा सकेंगे।

इसके अलावा जीएचडब्लूएफ 2026 जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त सर्जरी की सुविधा देगा, जिसमें मोतियाबिंद की सर्जरी और जन्मजात दिल की बीमारियों वाले बच्चों का इलाज शामिल है, जिससे फेस्टिवल के मजबूत सोशल-इम्पैक्ट मिशन को और मजबूती मिलेगी। मजबूत मेडिकल पार्टनरशिप, इंटरनेशनल भागीदारी और बचाव और सस्ती देखभाल के कमिटमेंट के साथ, जीएचडब्लूएफ2026 भारत के हेल्थ केयर आउटरीच लैंडस्केप में एक नया बेंचमार्क सेट करने का वादा करता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190